NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 49 लखनऊ, रविवार 29 सितंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

महाराष्ट्र में पुणे मेट्रो का कल उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी, 11,200 करोड़ रुपये की है परियोजना

, t lhA

महाराष्ट्र। उद्घाटन की जाने वाली प्रमुख परियोजनाओं में जिला न्यायालय से स्वारगेट तक पुणे मेट्रो खंड है, जो पुणे मेट्रो रेल परियोजना (चरण –1) के पूरा होने का प्रतीक है। इस परियोजना के भूमिगत खंड, जिसकी लागत लगभग घ1,810 करोड़ है, से पुणे में शहरी परिवहन में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 29 सितंबर को लगभग 12.30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महाराष्ट्र में 11,200 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने के लिए तैयार हैं। उद्घाटन की जाने वाली प्रमुख परियोजनाओं में जिला न्यायालय से स्वारगेट तक पुणे मेट्रो खंड है, जो पुणे मेट्रो रेल परियोजना (चरण –1) के पूरा होने का प्रतीक है। इस परियोजना के भूमिगत खंड, जिसकी लागत लगभग घ1,810 करोड़ है, से पुणे में शहरी परिवहन में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।इसके अतिरिक्त, प्रधान मंत्री बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र को समर्पित करेंगे और नए सोलापुर हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे, जिससे महाराष्ट्र में बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास को और बढ़ावा मिलेगा। पीएम कार्यालय ने कहा कि इन

परियोजनाओं का उद्देश्य कनेक्टिविटी में सुधार करना और राज्य में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है। इससे पहले गुरुवार को, पीएम मोदी की पुणे की योजनाबद्ध यात्रा शहर में भारी बारिश के कारण रद्द कर दी गई थी। वह गुरुवार को मेट्रो कॉरिडोर को हरी झंडी दिखाने और 22,600 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करने वाले थे। भारी बारिश ने एसपी कॉलेज मैदान में तैयारियों को भी प्रभावित किया, जिसे कार्यक्रम स्थल के रूप में नामित किया गया था।

मौलवी के मुंह से राम–राम, यह धारा 370 हटने का असर है,हरियाणा में योगी ने सुनाया जम्मू–कश्मीर का किस्सा

संवाददाता।

लखनऊ योगी ने साफ तौर पर कहा कि जो भारत की संप्रभुता को चुनौती देते थे, आज उनके मुंह से भी श्राम–रामश निकल रहा है। 10 वर्षों के अंदर हरियाणा ने विकास की एक नई यात्रा प्रारंभ की है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की प्रशंसा की और इस संबंध में एक घटना का वर्णन किया जब एक मौलवी ने उन्हें राम राम कहकर अभिवादन किया। हरियाणा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि मैं विधानसभा चुनाव के लिए पिछले 2 दिनों से जम्मू–कश्मीर में था। वहां बारिश हो रही थी। इसलिए, मैं सीधे हवाई अड्डे के अंदर चला गया। जब मैं अंदर गया, तो एक आदमी ने कहा श्योगी साहब राम रामश। इसके बाद कुछ देर बाद मैंने देखा, वह एक मौलवी था, मैं मौलवी के मुंह से श्राम–रामश सुनकर हैरान रह गया...यह धारा 370 हटने का असर है। कांग्रेस की आलोचना करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस समस्याओं का नाम है। सभी राष्ट्रीय समस्याएं कांग्रेस के कारण हैं। उन्होंने कहा कि भारत का विभाजन, जाति, धर्म और भाषा के आधार पर भारत को कमजोर करना, भारत को आतंकवाद, नक्सलवाद, उग्रवाद और अराजकता की ओर धकेलना और भ्रष्टाचार, भाई–भतीजावाद और

भाई–भतीजावाद फैलाना, यह सब कांग्रेस की देन है। दूसरी तरफ, भाजपा है जो (समस्याओं का) समाधान है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के फरीदाबाद एनआईटी विधान सभा क्षेत्र की जनता का उत्साह भाजपा की रिकॉर्ड विजय सुनिश्चित कर रहा है। योगी ने साफ तौर पर कहा कि जो भारत की संप्रभुता को चुनौती देते थे, आज उनके मुंह से भी राम–राम निकल रहा है। 10 वर्षों के अंदर हरियाणा ने विकास की एक नई यात्रा प्रारंभ की है। उन्होंने कहा कि जहां–जहां भाजपा की सरकार है, वहां सुरक्षा है, सुशासन है, विकास है...। विकसित भारत के लिए भारतीय जनता पार्टी आवश्यक है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर हम बंटे नहीं होते..

महिलाओं को दो हजार, 25 लाख तक का फ्री इलाज

एजेंसी।

हरियाणा में कांग्रेस के घोषणापत्र की मुख्य विशेषताओं में हरियाणा में प्रत्येक परिवार के लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 25 लाख रुपये तक मुफ्त चिकित्सा उपचार का वादा शामिल है। कांग्रेस ने शनिवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा की मौजूदगी में आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र में मुफ्त बिजली, मुफ्त चिकित्सा उपचार, महिलाओं को वित्तीय सहायता, किसानों को एमएसपी की गारंटी और राज्य में जाति जनगणना कराने तक के वादे शामिल हैं। इस दौरान राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उदय भान सहित अन्य नेता भी मौजूद रहे। हरियाणा में कांग्रेस के घोषणापत्र की मुख्य विशेषताओं में हरियाणा में प्रत्येक परिवार के लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 25 लाख रुपये तक मुफ्त चिकित्सा उपचार का वादा शामिल है। पार्टी की योजना मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में श्लाडली बहन योजनाश और श्लड़की बहन योजनाश की पहल के समान, 18 से 60 वर्ष की आयु की महिलाओं को 2,000 रुपये प्रति माह प्रदान करने की भी है। कांग्रेस के घोषणापत्र में गैस सिलेंडर के लिए 500 रुपये का वादा भी किया गया है। किसानों के प्रति प्रतिबद्धता में, कांग्रेस ने सत्ता में आने पर फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी, फसल के नुकसान के लिए तत्काल मुआवजा, किसान आयोग का गठन और डीजल पर सब्सिडी का वादा किया। घोषणापत्र में आवास के प्रावधान भी शामिल हैं, गरीबों के लिए 200 वर्ग गज जमीन और दो कमरे का घर देने का वादा किया गया है। एक और महत्वपूर्ण वादा राज्य में जाति–आधारित सर्वेक्षण कराना है, जिसकी पार्टी लंबे समय से वकालत करती रही है। कांग्रेस की योजना क्रीमी लेयर की सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने और युवाओं को 200,000 स्थायी नौकरियां प्रदान करने की है, जिसका लक्ष्य राज्य को नशा मुक्त बनाना है। केंद्र सरकार की नीतियों के विपरीत, कांग्रेस ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बहाल करने का संकल्प लिया है।

जम्मू–कश्मीर कुलगाम मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर, पांच सुरक्षाकर्मी भी घायल

एजेंसी।

जम्मू–कश्मीर मट्टू ने बताया कि शवों की पहचान करना बहुत मुश्किल है। जांच जारी है और हमने डीएनए नमूने ले लिए हैं। लेकिन जैसा कि मैंने आपको पहले बताया था, हमारे पास एक विशिष्ट इनपुट था और उस इनपुट के अनुसार, उनमें से एक उमेश अहमद वानी है जो कुलगाम के चावलगाम गांव का निवासी है। जम्मू–कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। इसके साथ ही जम्मू–कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी सहित पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ कुलगाम के अदिगाम इलाके में हो रही थी। जावेद अहमद मट्टू, डीआइजी दक्षिण कश्मीर ने बताया कि इस मुठभेड़ में पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने हिस्सा लिया। 2 आतंकवादी मारे गए और उनके कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद बरामद किया गया। मट्टू ने बताया कि शवों की पहचान करना बहुत मुश्किल है। जांच जारी है और हमने डीएनए नमूने ले लिए हैं। लेकिन जैसा कि मैंने आपको पहले बताया था, हमारे पास एक विशिष्ट इनपुट था और उस इनपुट के अनुसार, उनमें से एक उमेश अहमद वानी है जो कुलगाम के चावलगाम गांव का निवासी है। वह टीआरएफ (द रेजिस्टेंस फ्रंट) से संबंधित थे और वह 2020 में इसमें शामिल हुए थे। वह पुलवामा, शोपियां,

कुलगाम और अंतनाग जिलों में सक्रिय था और उसके खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गई थीं।दूसरे के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे पास जो खबर थी वह आकिब शेर गोजरी के बारे में थी, वह अगस्त 2022 से आतंकवादी संगठन से जुड़ा था और वह कई आतंकवादी गतिविधियों में भी शामिल था और उसके खिलाफ कुलगाम, पुलवामा, बडगाम जिलों में कई एफआईआर दर्ज की गई थीं। वह टीआरएफ संगठन से भी जुड़ा था और पिछले 2.5 वर्षों से पुलवामा, शोपियां, बडगाम, अनंतनाग जिलों में सक्रिय था। 2 एके 47 राइफलें, 5 मैगजीन, पिस्तौल और अन्य हथियार और गोला–बारूद बरामद किया गया है।

झूठ मत फैलाओ, नोटिस दिखाओ, जगन मोहन ने रद्द की यात्रा तो बोले चंद्रबाबू

एजेंसी।

आंध्र प्रदेश चंद्रबाबू ने कहा कि किसी ने भी यह नहीं कहा है कि रेड्डी को मंदिर नहीं जाना चाहिए। हाल के विवादों के कारण, हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंची है, और भक्त विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अगर वह तिरुमाला जाते हैं, तो इन समूहों ने संकेत दिया है कि वे भी लामबंद हो जाएंगे। पुलिस शांति और व्यवस्था बनाए रख रही है। नायडू ने कहा कि वह इस मुद्दे पर गलत जानकारी क्यों फैला रहे हैं? हर धर्म की अपनी परंपराएं

व्यवस्था बनाए रख रही है। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी द्वारा तिरुपति भगवान वेंकटेश्वर मंदिर की अपनी यात्रा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने के कुछ ही घंटों बाद, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अपने पूर्ववर्ती की आलोचना की और उन पर इस मुद्दे पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। रेड्डी द्वारा सत्तारूढ़ टीडीपी के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, जिसमें उन्होंने टीडीपी सरकार को राक्षस राज्यम (राक्षसों का राज्य) कहा था, नायडू ने जोर देकर कहा कि टीटीडी की अपनी परंपराएं और सिद्धांत हैं जिनका सभी को सम्मान करना चाहिए, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। चंद्रबाबू ने कहा कि किसी ने भी यह नहीं कहा है कि रेड्डी को मंदिर नहीं जाना चाहिए। हाल के विवादों के कारण, हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंची है, और भक्त विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अगर वह तिरुमाला जाते हैं, तो इन समूहों ने संकेत दिया है कि वे भी लामबंद हो जाएंगे। पुलिस शांति और व्यवस्था बनाए रख रही है। नायडू ने कहा कि वह इस मुद्दे पर गलत जानकारी क्यों फैला रहे हैं? हर धर्म की अपनी परंपराएं और सिद्धांत होते हैं, जिनका सम्मान किया जाना चाहिए। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रेस वार्ता के दौरान रेड्डी के अन्य धर्मों का सम्मान करने संबंधी बयान पर भी पलटवार किया। तिरुपति लड्डू विवाद में जानवररों की चर्बी के मामले को लेकर चंद्रबाबू नायडू के आरोपों के बाद से ही पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डे बैकफुट पर नजर आ रहे हैं। आरोपों के बीच उन्होंने मंदिर यात्रा का दांव चला था। लेकिन पुलिस की तरफ से नोटिस के बाद इस मामले में भी उन्हें अपने कदम पीछे खींचने पड़े हैं। टीडीपी द्वारा वाईएसआरसीपी प्रमुख से अपनी आस्था स्पष्ट करने की मांग किये जाने के बीच वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने अपना तिरुमाला दौरा रद्द किया। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने खुद ही इसकी जानकारी देते हुए कहा कि मैं तिरुमाला यात्रा स्थगित कर रहा हूं।

प्रियांका गांधी ने जम्मू की रैली में एलजी को बताया आउटसाइडर, कहा– बाहरी लोगों के लिए नीतियां बना रहे हैं

एजेसी।

जम्मू–कश्मीर प्रियंका गांधी ने कहा कि दुनिया की फितरत है कि जब किसी के पास सब कुछ होता है, तो जिसकी नीयत ठीक नहीं होती, वो उसे छीनने की कोशिश करता है। बीजेपी नेताओं ने जम्मू–कश्मीर को अपनी राजनीतिक शतरंज का मोहरा बना लिया है। नीतियां यहां के लिए नहीं बनती हैं, जो नीतियां आपके लिए बनती हैं, वो राजनीति करने के लिए बनती हैं। जम्मू के बिश्नाह में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि आपको शायद पता नहीं होगा कि मेरी दादी इंदिरा जी की हत्या से 4–5 दिन पहले हम घर पर बैठे थे, मैं 12 साल

की थी, राहुल 14 साल का था। अचानक दादी ने कहा, मुझे पतझड़ में गिरने वाले चिनार के पेड़ देखने हैं। वो हमें कश्मीर लेकर आईं। पहली बार वो मुझे खीर भवानी के मंदिर ले गईं.. .फिर हम दिल्ली आ गए और 3–4 दिन बाद उनकी हत्या कर दी गई और वो शहीद हो गईं...और तब से मैं जब भी श्रीनगर जाती हूं, खीर भवानी जरूर जाती हूं और अपनी दादी को याद करती हूं। प्रियंका गांधी ने कहा कि दुनिया की फितरत है कि जब किसी के पास सब कुछ होता है, तो जिसकी नीयत ठीक नहीं होती, वो उसे छीनने की कोशिश करता है। बीजेपी नेताओं ने जम्मू–कश्मीर को अपनी राजनीतिक शतरंज का मोहरा बना लिया है। नीतियां यहां के लिए नहीं बनती हैं, जो नीतियां आपके लिए बनती हैं, वो राजनीति करने के लिए बनती हैं।उन्होंने कहा कि यूटी में टेंडर बाहरी लोगों को दिए जा रहे हैं। गांधी ने दावा किया कि जम्मू–कश्मीर से निकाली गई रेत बाहर भेजी जाती है और जब यूटी के लोग इसे खरीदते हैं, तो यह महंगी कीमतों पर आती है। आपके उपराज्यपाल बाहरी व्यक्ति हैं, जो भी नीतियां बनाई जा रही हैं, वे बाहरी लोगों के लिए है। बाहरी लोगों को ठेके दिए जा रहे हैं। आपकी रेत बाहर भेजी जा रही है, और जब आपको इसे खरीदना होता है, तो आपको यह अधिक कीमत पर मिलती है।

एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी आप मुख्यमंत्री आतिशी

एजेंसी।

दिल्ली भाजपा ने दिल्ली नगर निगम की 18 सदस्यीय स्थायी समिति की आखिरी खाली सीट शुक्रवार को निर्विरोध जीत ली। सत्तारूढ़ आप और कांग्रेस के पार्षदों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने शनिवार को शुक्रवार को हुए एमसीडी स्थायी समिति के चुनावों को असंवैधानिक बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी शनिवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी। भाजपा ने

दिल्ली नगर निगम की 18 सदस्यीय स्थायी समिति की आखिरी खाली सीट शुक्रवार को निर्विरोध जीत ली। सत्तारूढ़ आप और कांग्रेस के पार्षदों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। आतिशी ने आज कहा कि हम निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और आज सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की जाएगी क्योंकि बीजेपी ने कल सदन में जो चुनाव कराया वह पूरी तरह से अवैध है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम अधिनियम बिल्कुल स्पष्ट है कि बैठक बुलाने का अधिकार केवल महापौर को है, बैठक की अध्यक्षता करने का अधिकार केवल महापौर और उनकी अनुपस्थिति में उपमहापौर को है। इसलिए हम इस अलोकतांत्रिक चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और आज ही हम इस अवैध, असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा द्वारा कल कराया गया चुनाव अवैध, असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है। दिल्ली नगर निगम अधिनियम 1957 के तहत कई नियम, कानून और उपनियम बनाए गए हैं जिनके द्वारा एमसीडी को चलाया जाता है, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण है दिल्ली नगर निगम प्रक्रिया और आचरण और व्यवसाय विनियम 1958, यानी एमसीडी में की जाने वाली कोई भी कार्रवाई दिल्ली नगर निगम अधिनियम और उस अधिनियम के तहत बने नियमों के अनुसार करना होगा।

झारखंड, महाराष्ट्र, हिमाचल और हरियाणा की राजनीति पर भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने स्पष्ट किया पार्टी का स्टैंड

एजेंसी।

झारखंड बीजेपी के प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने दावा किया कि शमशेर सिंह जोगी ने कांग्रेस की वैचारिक मानसिकता को देश के सामने उजागर किया है। कांग्रेस की हमेशा से यही नीति रही है कि पहले अपना घर भरो, उसके बाद अपनों का और अगर अंत में कुछ बच जाता है, तो वह देश की जनता की भलाई में लगाओ। विधानसभा चुनाव को लेकर हरियाणा में पहुंची प्रभासाक्षी की टीम ने झारखंड, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा की राजनीति पर भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता प्रेम शुक्ला से बात की। बातचीत के दौरान बीजेपी के प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने दावा किया कि कांग्रेस के असंध विधानसभा सीट से उम्मीदवार शमशेर सिंह जोगी ने कांग्रेस की वैचारिक मानसिकता को देश के सामने उजागर किया है। क्योंकि विपक्षी दल कांग्रेस की हमेशा से यही नीति रही है कि पहले अपना घर भरो, उसके बाद अपनों का और अगर अंत में कुछ बच जाता है, तो वह देश की जनता की भलाई में लगाओ। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस लूट की छूट करने की राजनीति पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को लुटरों का सरगना करार देते हुए कहा कि इसी वजह से गांधी ने सबसे पहले शमशेर सिंह के लिए चुनावी प्रचार करना उचित समझा है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कार्यकाल में कांग्रेस ने रॉबर्ट वाड्रा को औने–पौने दामों पर करोड़ों की जमीन बांट दी थी और इस मामले का इस चुनाव में खुलासा ना हो इसी वजह से प्रियंका गांधी हरियाणा में चुनाव प्रचार करने नहीं आ रही हैं। इसके अलावा कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भाजपा नेता ने दावा किया कि अगर सिद्धरमैया अपने पद से इस्तीफा देते हैं। तो, इसके बाद कांग्रेस के राहुल गांधी समेत सभी दिग्गज नेताओं से इस्तीफा मांगा जाएगा क्योंकि वे सभी भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री येदुरप्पा ने अपने खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपी को लेकर तुरंत ही पद से इस्तीफा दे दिया था लेकिन यह लोग भ्रष्टाचारी हैं और पद से इस्तीफा नहीं देंगे। प्रेम शुक्ला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के गठबंधन वाली सरकार के दौरान झारखंड में बड़े पैमाने पर डेमोग्राफी बदली है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य

की जनजातीय महिलाओं के साथ बांग्लादेशी और रोहिंग्या लव जिहाद करके जनजातीय समाज की संपत्तियों पर कब्जा कर रहे हैं और इसे बढ़ावा देने में सबसे प्रमुख हाथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का ही है। भाजपा नेता ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की सरकार में एक विशेष समुदाय द्वारा खाने में मिलाये जा रहे मूत्र और थूक की घटनायें लगातार बढ़ रहीं हैं और इसीलिए सरकार ने मजबूरी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फॉर्मूला अपनाते हुए राज्य में सभी दुकानदारों के लिए अपनी दुकानों पर नाम चश्पा करना अनिवार्य कर दिया है।

भाजपा लोकतंत्र विरोधी कार्य कर रही– अखिलेश यादव

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा लोकतंत्र विरोधी कार्य कर रही है। कोई भी चुनाव निष्पक्ष नहीं होने देना चाहती है। बेईमानी करके सभी पदों पर कब्जा करना चाहती है। इन दिनों गन्ना समितियों के चुनाव में भी भाजपा समर्थक सत्ता के संरक्षण में अराजकता पर उतारू हैं। लखीमपुर खीरी, बरेली, हापुड़, मेरठ, मुरादाबाद समेत अन्य जिलों में सत्ता संरक्षित भाजपाई बेईमानी और गुण्डई करके अपने राजनीतिक विरोधियों को परेशान कर रहे है। अधिकारियों पर दबाव बनाकर जबरदस्ती पर्चे खारिज करा रहे हैं। ये सब निष्पक्ष चुनाव नहीं होने देना चाहते है। भाजपाई अराजकता और गुण्डई के खिलाफ कई जिलों में किसान धरना देकर विरोध कर रहे हैं। सत्ता के मद में चूर भाजपा प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग करके चुनावों को प्रभावित कर रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि जबसे प्रदेश में भाजपा सरकार आयी है वह हर चुनाव में धांधली कर रही है। भाजपा ने इस लोकसभा चुनाव में भी कई सीटों पर बेईमानी की। 2022 के विधानसभा चुनाव में जनता ने समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए वोट दिया लेकिन भाजपा ने बेईमानी और धांधली से परिणाम प्रभावित किया। लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव में भी भाजपा सरकार ने पुलिस प्रशासन के बल पर सत्ता का जिस तरह से दुरूपयोग किया था यह सभी ने देखा था। मतदाताओं को मारा–पीटा गया था और वोट नहीं डालने दिया गया था। यह काम भाजपा हर चुनाव में कर रही है। ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता का दुरूपयोग करके लोकतंत्र को शर्मसार किया था। लोकसभा चुनाव में हार से बौखलाई भाजपा सरकार प्रदेश में संभावित उपचुनाव में भी लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करने पर अमादा है। उपचुनाव वाले क्षेत्रों में जाति–धर्म के आधार पर बीएलओ हटाए और तैनात किये जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा बन गयी है। जनता भाजपा के लोकतंत्र और संविधान विरोधी कार्यों से बेहद नाराज और गुस्से में है। आने वाले चुनाव में भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं है। हर दिन हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं हो रही है। इस सरकार में राजधानी लखनऊ में भी लोग सुरक्षित नहीं है। लखनऊ में रिटायर्ड आईएएस के साथ लूट हो गयी। सरकार का दावा रात में बेखौफ निकलने का था लेकिन लोग दिन में लुट जा रहे है। प्रदेश में महिलाएं, बच्चियां सुरक्षित नहीं है। देश में सबसे ज्यादा महिला अपराध की घटनाएं उत्तर प्रदेश में हो रही हैं। भाजपा सरकार का कानून व्यवस्था और महिला अपराध पर जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है।

प्रोजेक्ट प्रवीण से 1 लाख विद्यार्थियों को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

लखनऊ। योगी सरकार ने छात्रों में कौशल विकास को निखारने और युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने हेतु 'प्रोजेक्ट प्रवीण' कार्यक्रम के तहत इस साल 1 लाख विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। शैक्षिक सत्र 2024–25 में इस योजना का विस्तार करते हुए इसे प्रदेश भर के चयनित माध्यमिक विद्यालयों में लागू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट प्रवीण न केवल प्रदेश के युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान कर रहा है, बल्कि उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने में भी सक्षम बना रहा है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें प्रदेश के विकास में सहयोगी बनाना है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संकल्पना के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण को औपचारिक शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रोजेक्ट प्रवीण के अन्तर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण की सुविधा उनके नियमित पाठ्यक्रम के साथ उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक 315 राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत 63,000 से अधिक छात्रछात्राओं को कौशल प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को प्रतिदिन 90 मिनट की अवधि का अल्पकालिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावसायिक कौशलों से सुसज्जित करना है, ताकि वे रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। प्रोजेक्ट प्रवीण की शुरुआत वर्ष 2022–23 में की गई थी, और इसकी सफलता को देखते हुए इसे नए वित्तीय वर्ष 2024–25 में और विस्तारित किया जा रहा है।कौशल विकास मिशन निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के सहयोग से प्रदेश के विभिन्न जिलों के चयनित विद्यालयों में यह कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इस संबंध में सभी जिलों के समन्वयकों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। कार्यक्रम के तहत प्रत्येक विद्यालय में अधिकतम दो अलग–अलग जॉब रोल का चयन किया जाएगा। हर बैच में 35 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा और विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर एक या दो जॉब रोल का चयन किया जा सकता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिन सेक्टरों में रोजगार की अधिक संभावनाएं हैं और जिनमें विद्यार्थियों की रुचि है, उन्हें प्राथमिकता दी जाए।इस योजना में महिला सशक्तिकरण को भी प्रमुखता देते हुए अधिक से अधिक बालिकाओं को इस कौशल विकास योजना से जोड़ने के लिए बालिका विद्यालयों का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। महिला छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह योजना विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगी। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों को नियमित रूप से इस कार्यक्रम में सम्मिलित करने के लिए विद्यालय प्रशासन से समन्वय स्थापित किया जाएगा। इसके तहत विद्यालयों की समय सारिणी में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे, ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रम बिना किसी बाधा के संचालित हो सके। साथ ही, विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को इस कार्यक्रम की जानकारी देकर उन्हें विद्यार्थियों को प्रेरित करने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन को सर्वश्रेष्ठ स्टाल का सम्मान

संवाददाता।

लखनऊ। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन को सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में यूपी कौशल विकास मिशन का पवेलियन आगंतुकों के बीच खास आकर्षण का केंद्र रहा, जहां पर विभिन्न उभरते हुए तकनीकी और व्यावसायिक कौशलों का लाइव प्रदर्शन किया गया।

इस मौके पर केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह और उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग राकेश सचान ने कौशल विकास मिशन की अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह को सर्वश्रेष्ठ स्टॉल का पुरस्कार स्वरूप ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया। यह पुरस्कार मिशन के उत्कृष्ट प्रदर्शन और युवाओं के कौशल विकास के प्रति समर्पण का प्रमाण है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को नई तकनीकों से प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। इस स्टॉल को मिले सम्मान से यह सिद्ध होता है कि हमारा प्रदेश कौशल के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि इस पवेलियन में कई महत्वपूर्ण कौशलों का लाइव प्रदर्शन किया जा रहा है, जिनमें मेडिकल सपोर्ट, सोलर पैनल इंस्टॉलेशन, वर्चुअल रियलिटी (माइनिंग सिम्युलेटर और पेंटिंग एवं फायर फाइटिंग सिम्युलेटर), हैंड एम्ब्रॉयडरी, फॉरेन लैंग्वेज लर्निंग, मेटल एनग्रेविंग, एनिमेशन, ड्रोन टेक्नोलॉजी और पंचकर्म टेक्नीशियन शामिल हैं। इन कौशलों के प्रति आगंतुकों में विशेष रुचि देखी जा रही है, जो राज्य के युवाओं के लिए संभावनाओं का एक नया द्वार खोल रही है।

उत्तर प्रदेश आईटी और इलेक्ट्रानिक्स विभाग ने यूपी आईटीएस 2024 में जीता सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन स्टैंड का खिताब

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग को यूपी आईटीएस 2024 में ''सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन स्टैंड'' के लिए सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार विभाग द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट तकनीकी नवाचार, डिजिटल उत्तर प्रदेश की प्रगति, और प्रदेश में आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में हुई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करता है।यह सम्मान विभाग के प्रख्यात नेतृत्व के कुशल मार्गदर्शन में प्राप्त किया गया है। विभाग के प्रमुख सचिव, अनिल कुमार सागर के सक्षम नेतृत्व में विभाग ने डिजिटल यूपी के लक्ष्य को साकार करने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। उनके नेतृत्व में राज्य ने आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों और नीतियों का सफल कार्यान्वयन किया है, जिससे उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने कहा, ''उत्तर प्रदेश को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में हमारी यात्रा लगातार जारी है, और यह सम्मान हमें और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करेगा।'' उन्होंने विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी निष्ठा और प्रतिबद्धता के बिना यह संभव नहीं हो पाता।

विशेष सचिव रवि रंजन ने कहा, ''हमारा उद्देश्य केवल तकनीकी क्षेत्र में उन्नति नहीं है, बल्कि हम एक समावेशी डिजिटल समाज का निर्माण करना चाहते हैं, जहां तकनीक हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाए''। उत्तर प्रदेश सरकार की डिजिटल इंडिया मिशन, स्टार्ट अप पॉलिसी और ई–गवर्नेंस जैसी प्रमुख योजनाओं के तहत, इस प्रदर्शनी में विभाग ने राज्य में तकनीकी विकास और सुशासन के लिए की गई पहल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस पुरस्कार के साथ, उत्तर प्रदेश का आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान और सुदृढ़ कर रहा है। विभाग ने भविष्य में भी इसी समर्पण और नवाचार के साथ काम करने का संकल्प लिया है।

बैंक सरकार द्वारा प्रायोजित योजना में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले– डीएम

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति (बैंकर्स) की बैठक आयोजित

प्रयागराज(आरएनएस)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति (बैंकर्स) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में उपस्थित विभिन्न बैंको के प्रतिनिधियों को सरकार की योजनाओं से संबंधित पत्रावलियों का नियमानुसार शीघ्रता के साथ निस्तारण करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने सभी बैंकों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना एवं सरकार द्वारा प्रायोजित अन्य योजनाओ के अन्तर्गत अधिक से अधिक पात्र लोगो को चिन्हित कर उन्हें ऋण वितरण करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी बैंकों को लम्बित आवेदनों के निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने सरकार की योजनाओं में रूचि न लेने वाले बैंको के प्रतिनिधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि बैंक सरकार द्वारा प्रायोजित योजना में बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले और पात्र लोगो का चयन करते हुए उन्हें योजना से लाभान्वित करें, नहीं तो सम्बंधित के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। जिलाधिकारी ने सभी बैंकों के सीडी रेशियों की बैंकवार विस्तृत समीक्षा करते हुए 50 प्रतिशत से कम सीडी रेशियों वाले बैंकों के जिला समन्वयकों से नाराजगी व्यक्त करते हुए लक्ष्यों के अनुरूप कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्राथमिक क्षेत्र को सभी बैंक समय पर ऋण वितरण कर सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रियता से कार्य करें।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, एसडीएम मणि प्रकाश सिंह, सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण, बैंकों के प्रतिनिधि व अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

लखनऊ में 5 एकड़ में बनेगा भारत का दूसरा व उत्तर भारत का पहला सेन्ट्रल मिलिंग टेक्नोलाजी इंस्टीट्यूट

गेहूं के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान रखने के साथ ही अपना उत्तर प्रदेश अब गेंहू आधारित प्रसंस्कृत उद्योगों में भी बनेगा नंबर एक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन की 61 वी वार्षिक साधारण सभा का आयोजन आज लखनऊ के ताज होटल में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना व विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह मौजूद रहे, बैठक में पूरे उत्तर प्रदेश के लगभग 200 से ज्यादा रोलर फ्लोर मिल के उद्यमियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक में मुख्य अतिथि वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश की सरकार हमारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उद्यमियों के विकास व उद्योग जगत के निरंतर बेहतरी के लिए कार्य कर रही, जिसका परिणाम अब हमें जमीन पर स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। आज अपने उत्तर प्रदेश में नित नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही है, जिससे न केवल अपना उत्तर प्रदेश विकास के मार्ग पर तीव्र गति से बढ़ रहा है। अपितु किसानों को उनकी ऊपज का उचित मूल्य भी प्राप्त हो रहा है साथ ही रोजगार के अनेक नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। वो दिन दूर नहीं जब हमारा उत्तर प्रदेश देश में एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनामी वाला प्रथम प्रदेश बनेगा। विशिष्ट अतिथि प्रमुख सचिव मनोज सिंह ने कहा आज सरकार की मंशा प्रदेश में स्थापित उद्योगों के सफल संचालन व नए उद्योगों को स्थापित करने में आने वाली समस्त बाधाओं को सहज रूप में दूर कर एक अच्छा औद्योगिक माहौल विकसित करना है जिससे न केवल उत्तर प्रदेश के उद्यमी अपितु अन्य राज्यों के उद्यमी भी अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए उत्साहित हैं। आज के दौर में किसी भी उद्योग में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का महत्व बढ़ गया है साथ ही प्रशिक्षित कामगारों की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है इन्हीं जरूरतों को पूरा करने के लिए हमारी उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 5 एकड़ जमीन उत्तर प्रदेश रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन को देने का निर्णय लिया है जिसमें देश का दूसरा व उत्तर भारत का पहला सेन्ट्रल मिलिंग टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट संस्था द्वारा स्थापित किया जाएगा जहां अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के प्रयोग से उन्नत उत्पाद तैयार करने हेतु विश्वस्तरीय साज सज्जा वाला एक इंस्टीट्यूट स्थापित होगा जिसमें से ऐसे प्रशिक्षित कामगार तैयार होंगे जिनकी मांग न केवल भारत में बल्कि यूरोपीय देशों के साथ ही मध्य पूर्व देशों में भी रहेगा। यह संस्था आने वाले समय में मिलिंग उद्योग जगत में एक मिल का पत्थर साबित होगा।संगठन के अध्यक्ष धर्मेन्द्र जैन व उपाध्यक्ष दीपक बजाज ने सर्वप्रथम वार्षिक साधारण सभा में बतौर मुख्य अतिथि पधारे माननीय वित्तमंत्री सुरेश खन्ना व विशिष्ट अतिथि मुख्य सचिव मनोज सिंह सहित पूरे प्रदेश से पधारे समस्त उद्यमियों का स्वागत व अभिनन्दन करते हुए अपने उद्बोधन कहा कि मैं अपने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी को प्रदेश के सभी उद्यमियों की तरफ से धन्यवाद् देता हूं जिनके कुशल नेतृत्व में प्रदेश के समस्त उद्यमी भय रहित वातावरण में स्वछंद रूप से अपने उद्योग का संचालन करते हुए न केबल प्रदेश के विकासमें अपना अंशदान दे रहे है बल्कि रोजगार के नए अवसर सृजित करके हुए अनेक कामगारों को नौकरी भी प्रदान कर रही हैं।रोलर फ्लोर मिलिंग उद्योग किसानों व आम उपभोक्ता से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा ऐसा उद्योग है जो कि हमारे अन्नदाता किसानों को उनकी ऊपज का सर्वश्रेष्ठ मूल्य देकर उनकी आय में बढ़ोतरी करते हुए संबल प्रदान करता है साथ ही आम उपभोक्ता के दैनिक उपभोग की खाद्य पदार्थ आटा, मैद

ा, सूजी को लोकहित में न्यूनतम लाभ के साथ बाजार में बेचता हैं। आज अपना उत्तर प्रदेश गेहूं उत्पादन में देश में प्रथम स्थान रखता है अब हमें जरूरत है गेहूं के प्रसंस्कृत उद्योगों में क्रांति लाते हुए रोलर फ्लोर मिलों का पुनर्रत्थान करते हुए उच्च क्वालिटी के गुणवत्ता युक्त आटा मैदा सूजी तैयार करना है जिससे अपना प्रदेश गेहूं उत्पादन के साथ साथ गेहूं आधारित प्रसंस्कृत उद्योगों में भी पूरे भारतवर्ष में नंबर एक बन सके।

स्वच्छता की अलख जगा रहे विद्यार्थी' ^155 घंटे का नान–स्टाप सफाई अभियान`` में नवयुवकों की भागीदारी महत्वपूर्ण'

'सफाई अभियान में 05 हजार स्कूलों के एक लाख से अधिक छात्रों ने किया प्रतिभाग'

लखनऊ। प्रदेश की सभी निकायों में ''स्वभाव स्वच्छता–संस्कार स्वच्छता'' थीम पर आयोजित ''स्वच्छता ही सेवा अभियान–2024' के अंतर्गत चल रहे 155 घण्टे के स्वच्छता अभियान के तीसरे दिन शनिवार को स्वच्छ भारत मिशन नगरीय द्वारा प्रदेश के लगभग 5000 स्कूलों, कालेजों व विश्वविद्यालयों में एक लाख से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता से स्वच्छता जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्टॉफ व अभिभावकों को स्वच्छता के इस जन आंदोलन में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ ही उनके स्वभाव और संस्कार में स्वच्छता की अलख जागृत करने का कार्य किया गया। इस दौरान शैक्षणिक संस्थानों के छात्र–छात्राओं ने 'स्वच्छता शपथ' लेकर इस कार्य में निरन्तर अपना योगदान देने का संकल्प लिया। स्वच्छता की भागीदारिता में स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों के स्वच्छ सारथी क्लब का महत्वपूर्ण योगदान रहा। नवयुवक हमारी धरोहर व भविष्य है। स्वच्छता की जागरुकता से लेकर स्वच्छता के प्रति विभिन्न कार्यों में इनका योगदान अतुलनीय है। इस वर्ष सभी निकायों में 'स्वच्छ सारथी क्लब'' के माध्यम से 'स्वच्छ स्कूल' बनाये जा रहे है, जोकि प्लास्टिक मुक्त, स्वच्छ टॉयलेट व स्वच्छ परिसर से युक्त होंगे। प्रत्येक निकाय में स्वच्छता के मानको को पूर्ण करने वाले तथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को "स्वच्छ स्कूल" की उपाधि से सम्मानित भी किया गया। प्रदेश के स्वच्छ भारत मिशन नगरीय द्वारा सभी निकायों में '155 घंटे का नॉन–स्टॉप महासफाई अभियान' के दौरान विभिन्न आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को उनकी 155वीं जयंती पर श्रद्धांजलि देकर उनके स्वच्छता के संकल्प को साकार किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को निकायों में 'स्वच्छ स्कूल' का चयन कर उन्हें सम्मानित किया गया। वहीं नुक्कड नाटक, स्ट्रीट प्ले, पेंटिंगध्पोस्टरध्लेख प्रतियोगिता, स्वच्छता रैली, कल्चरल इवेंट, स्वच्छता प्लेड्ज, स्वच्छता आधारित प्रोजेक्ट, रंगोली, पौधरोपण, आर्ट एंड क्राफ्ट इत्यादि जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर स्वच्छता के प्रति 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'' अभियान को और बल दिया गया।स्वच्छता के प्रति जागरूकता के इस महाभियान में विद्यार्थियों के साथ आमजनमानस ने भी बढ़–चढ़ कर प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों द्वारा निकाली गयी स्वच्छता रैली को लोगों ने अपना बहुमूल्य समय देकर खूब सरहा। बच्चों द्वारा बनाई गयी पेंटिंग–पोस्टर को स्कूलों की दीवारों पर स्थान दिया गया। जिससे स्वच्छता का पाठ आने वाली पीढ़ी के स्वभाव और संस्कार में स्थापित हो सके।

पूर्व विधायक नीलम करवरिया का निधन

जनपद में शोक की लहर, आज होगा अंतिम संस्कार

प्रयागराज(आरएनएस)। मेजा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक नीलम करवरिया का इलाज के दौरान हैदराबाद के एक अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थीं और हैदराबाद में उनका उपचार चल रहा था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। नीलम करवरिया, प्रयागराज की राजनीति में एक प्रभावशाली नाम थीं और भारतीय जनता पार्टी से जुड़ी रही थीं। उनके असमयिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

नीलम करवरिया का राजनीतिक सफर उल्लेखनीय रहा है। उनके पति उदयभान करवरिया भी बारा विधानसभा क्षेत्र से दो बार के विधायक रहे । वे जिले के लोगों के लिए समर्पित रही और उनके हितों की पैरवी करती रहीं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान विकास कार्यों को प्राथमिकता दी और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर भी जोर दिया। उनके निधन की खबर से न केवल उनके समर्थक बल्कि अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी दुख व्यक्त किया है।

समर्थकों और स्थानीय लोगों का तांता कल्याणी देवी स्थित उनके कोठी पर लगा हुआ है, जहां लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंच रहे हैं। उनके समर्थकों के बीच भारी शोक की स्थिति बनी हुई है। नीलम करवरिया के निधन से भारतीय जनता पार्टी के अलावा यमुनापार क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति के रूप में देखा जा रहा है।

परिवार के नजदीकी सूत्रों के अनुसार, उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए प्रयागराज लाया जाएगा और अंतिम संस्कार की तैयारियां की जा रही हैं।

उनके परिवार में पति उदयभान करवरिया, बेटी समृद्धि और साक्षी और बेटा सक्षम है। करवरिया 2017 में मेजा सीट से भाजपा के टिकट पर निर्वाचित हुई थीं।

नीलम करवरिया के पति और बारा विधानसभा सीट से पूर्व भाजपा विधायक उदयभान करवरिया बीते 25 जुलाई को नैनी सेंट्रल जेल से रिहा हुए थे। करीब नौ वर्ष से नैनी जेल में बंद उदयभान को राज्यपाल की अनुशंसा पर रिहा किया गया था। उदयभान को समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक जवाहर यादव की हत्या का दोषी करार दिया गया था और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। करवरिया के करीबी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि उनका पार्थिव शरीर शुक्रवार को दोपहर में प्रयागराज लाए जाने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच श्एक्सश पर अपने एक संदेश में कहा मेजा विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक नीलम करवरिया का निधन अत्यंत दुःखद है। योगी ने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। ध शांति!

राज्य के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने श्एक्सश पर अपनी एक पोस्ट में कहा है कि मृदुभाषी और जनप्रिय नेता, जनपद प्रयागराज के मेजा विधानसभा से पूर्व विधायक नीलम करवरिया के निधन की अत्यंत दुरूखद सूचना प्राप्त हुई है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों व समर्थकों को संकट की इस घड़ी में संबल प्रदान करें।

भाषा किसी विषय की मोहताज नहीं होती– डा. धनंजय चोपड़ा

प्रयागराज(आरएनएस)। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय, प्रयागराज में राजभाषा हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह आज संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. धनंजय चोपड़ा पाठ्यक्रम समन्वयक, सेंटर आफ मीडिया स्टडीज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज रहे। डॉक्टर चोपड़ा ने अपने व्याख्यान में बताया कि किस प्रकार बदलता समय जीवन के सभी आयामों को प्रभावित करता है। भाषा , संस्कृति एवं मीडिया के टूल्स भी इनमें से एक है जो सदैव गतिशील होते हैं ।अपने व्याख्यान में उन्होंने कहा की भाषा किसी विषय की मोहताज नहीं होती। भाषा हमारे प्राण का हिस्सा है हर भाषा में जातीय, धार्मिक, क्षेत्रीय और राजनीतिक अनुगूंज होती है। डॉक्टर चोपड़ा ने अपने व्याख्यान में कहा कि आज के इस डिजिटल युग में जहां चौट जीपीटी,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल स्टोरी का समय है, जहां आभासी कंटेंट्स बढ़ रहे हैं वास्तविक कंटेंट घट रहे हैं। ऐसे समय में अपनी भाषा को बचाना, अपने सपनों को बचाना, अपनों को बचाना, शब्दों को बचाना,भाषा के प्रवाह को बचाने का और सृजनात्मकता को बचाने का समय आ गया है। इसके लिए विद्यार्थियों को नए–नए शब्दों को समझना, लोगों की भावनाओं को समझना, उनकी भाषाओं को समझना आवश्यक है क्योंकि भाषा ध्वनियों की लय है हमारे जिंदा होने का सबूत है। हम सब मीडिया हैं क्योंकि हम सब के पास संचार तकनीकी से जुड़ी हुई ऐसी सामग्रियां है जिससे हम अपनी बातें कह सकते हैं और लोगों तक बहुत ही आसानी से पहुंचा सकते हैं लेकिन इसके लिए सभी को, विद्यार्थियों को नए–नए शब्दों में माहिर होना होगा।इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्रोफेसर नीलिमा सिंह ने किया। कार्यक्रम में स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रोफेसर रंजना त्रिपाठी द्वारा किया गया । कार्यक्रम में डॉक्टर रेनू आनंद, डॉ रेनू आनंद, डॉक्टर शमेनाज, डॉ अनामिका तिवारी, डॉ अश्वनी राय एवं डॉक्टर अनिल कुमार उपस्थित रहे।

हिंदू भावनाओं से खेलने वालों पर सख्त हो करवाई–सर्वेश सिंह

राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ के बैनर तले डीएम को सौपा ज्ञापन

सुल्तानपुर(आरएनएस)। गंगा जमुनी तहजीब की झूठी मिसाल देने वाले लोग, हिंदू की भावनाओं पर एक बड़ा कुठाराघात करते हुए सनातन हिंदू की भावनाओं पर तगड़ा चोट करने से बाज नहीं आ रहे हैं। जनपद के कुड़वार थाना क्षेत्र के धरावा गांव निवासी नदीम खान ने मुंबई में रहकर सोशल मीडिया पर भगवान श्री राम और मां सीता के प्रति अभद्र टिप्पणी की है। मामले में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ उग्र हो गया, अंततः पुलिस अधीक्षक के हस्तक्षेप के बाद कुड़वार पुलिस को 254ध्24 के तहत धारा 196, 353, 299 बीएनएस, 67 आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करना पड़ा। पुलिस द्वारा ढुलमुल रवैया अपनाये जाने के खिलाफ राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ ने जिला अधिकारी संबोधित सिटी मजिस्ट्रेट प्रवीण कुमार को ज्ञापन सौंपकर तत्काल गिरफ्तारी किए जाने की बात कही है। बताते चलें कि भारत हिंदू राष्ट्र घोषित कराने की तरफ हिंदू संगठन के अलावा तमाम नेता अपनी झूठी आवाज भले ही बुलंद करते हैं, वहीं गोकशी हो या हिंदू की आस्था के चोट का सवाल हो राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ आगे आकर लड़ाई लड़ने के लिए तैयार खड़ा दिखाई दे रहा है। संगठन के प्रदेश प्रभारी सर्वेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रभु श्री राम और मा भगवती सीता के प्रति नदीम खान सोशल मीडिया पर जिस तरह पोस्ट किया है वह अक्षम्य है। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत में तमाम हिंदू हिंदू संगठन राजनीति के गलियारे में अपनी दुकान चला रहे हैं , झूठी बयान बाजी करते हैं लेकिन एक भी संगठन चाहे बीएचपी हो या हिंदू युवा वाहिनी अथवा आरएसएस बजरंग दल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, सहित एक भी संगठन आगे नहीं आया है, सभी ने अपनी आंख व कान पूरी तरह बंद कर लिया है कार्यवाही कराने के लिए आगे नहीं आए। इकलौता ही राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ के प्रदेश प्रभारी सर्वेश सिंह, महामंत्री जयशंकर दुबे संरक्षक राकेश प्रताप सिंह दद्दू, मीडिया प्रभारी रवि दुबे ने अपने–अपने आधार कार्ड पुलिस को सौंप कर गवाह बनने की बात कही है। सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा है सोशल मीडिया पर किसी की आस्था पर लिखकर वायरल करना बिल्कुल अपराध है। ऐसे लोगों को पकड़ कर उन पर कड़ी कार्यवाही अवश्य होनी चाहिए। वहीं पुलिस का कहना है कि जल्द ही गिरफ्तार करने के लिए टीम गठित की गई है। इस अवसर पर विश्व हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, आलोक तिवारी, अनुज सिंह, अनिल अग्रहरि, शिव शंकर पांडे, यश एन तिवारी, सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे। इस बावत कुड़वार थाना इंचार्ज चंद्रभान वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ व पुलिस अधीक्षक के हस्ताक्षर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। धरावा गांव निवासी नदीम खान पुत्र अंसार मुंबई में रहकर सोसल मीडिया पर ऐसी पोस्ट किया है। फोन से वार्ता कर उसे बुलाया गया है लखनऊ की लोकेशन मिल रही है जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

सी.एम.एस. अशर्फाबाद कैम्पस द्वारा नो बैग डे का आयोजन

लखनऊ, 28 सितम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अशर्फाबाद कैम्पस द्वारा विद्यालय के सजे–धजे प्रांगण में आज प्री–प्राइमरी व प्राइमरी के नन्हें–मुन्हें छात्रों के लिए 'नो बैग डे का आयोजन किया। विद्यालय की इस अनूठी पहल के माध्यम से नन्हें–मुन्हें छात्रों विभिन्न शिक्षात्मक गतिविधियों में जोरदार भागीदार कर न सिर्फ अपनी बहुमुखी प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया अपितु क्लासरूम के इतर एक रचनात्मक–शिक्षात्मक वातावरण में जीवन मूल्यों, चारित्रिक उत्कृष्टता एवं सामाजिक शिष्टाचार व व्यवहार के गुर सीखे।

इस अवसर पर प्री–प्राइमरी व प्राइमरी छात्रों ने विद्यालय परिसर में 'किड्डी सुपरमार्केट' के अन्तर्गत स्टाइल हब, ब्यूटी एंड ब्लिंग, पर्स पैलेस, बेक माई डे, कैंडीलैंड, पॉप ऑफ फन, टेक हब, ग्रीन बास्केट, स्टेशनरी स्टूडियो एवं फंटोपिया आदि विभिन्न स्टाल लगाये। इन स्टाल्स पर छात्रों ने जहाँ एक ओर विक्रेताओं के रूप में उन्होंने अपने सामान को प्रमोट करके मार्केटिंग कौशल को निखारा तो वहीं दूसरी ओर समझदारी से खरीदारी करना, पैसे का लेन–देन करना और संवाद कला का प्रदर्शन किया।सी.एम.एस. अशर्फाबाद कैम्पस की प्रधानाचार्या सुश्री अनुपमा चेकर ने इस अवसर पर छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि सी.एम.एस. अपने छात्रों को भौतिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक तीनों प्रकार की शिक्षा देकर उन्हें टोटल क्वालिटी पर्सन एवं मानव जाति के लिए ईश्वर का उपहार बनाने को संकल्पित है। इसी कड़ी में यह समारोह विभिन्न शिक्षात्मक गतिविधियों द्वारा छात्रों को बहमुखी प्रतिभा को निखारने के साथ ही उन्हें एक संतुलित व्यक्तित्व प्रदान कर समाज का आदर्श नागरिक बनाने की दिशा में अत्यन्त सफल साबित हुआ है।

टेबल–टेनिस टूर्नामेन्ट में सी.एम.एस. छात्र ने जीता गोल्ड मेडल

लखनऊ, 28 सितम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर प्रथम कैम्पस के कक्षा–9 के प्रतिभाशाली छात्र सैय्यद मोहम्मद अमान रिजवी ने प्रयागराज में आयोजित सी.आई.एस.सी.ई. रीजनल टेबल–टेनिस टूर्नामेन्ट में गोल्ड मेडल अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। काउन्सिल फॉर द

इण्डियन स्कूल सार्टिफिकेट एक्जामिनेशन्स के तत्वावधान में आयोजित इस टूर्नामेन्ट में अमान ने अण्डर–17 कैटेगरी में अपनी खेल प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने विद्यालय के इस उदीयमान टेबल–टेनिस खिलाड़ी के उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस टूर्नामेन्ट में प्रदेश के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के चुने हुए छात्रों ने प्रतिभाग किया एवं कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. के इस प्रतिभाशाली छात्र ने अपने दमखम व अभूतपूर्व खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर साबित किया निकट भविष्य में वे देश का नाम अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर रोशन करने को संकल्पित है। सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेलों व समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं। सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें खेलों व अन्य सामाजिक क्षेत्रों के लिए भी विशेष रूप से तैयार करने में पूरे मनोयोग से संलग्न है।

सदर रेंज में होने वाले अवैध कटान पर डीएफओ द्वारा नोटिस जारी

रेंजरो के रेंज में बदलाव होने से सदर रेंज में रूक सकता है अवैध कटान:सूत्र

सुल्तानपुर(आरएनएस)। वन विभाग ने काम करने के तरीके में भारी बदलाव करते हुए अब हर शिकायत पर कार्यवाही का आश्वासन देकर बडे से बडेध मामले में छोटा–मोटा जुर्माना लेकर वन माफियाओं को क्षमादान दे देता है। चौकाने वाला मामला सदर रेंज का है, जहां आएदिन धरती के श्रृंगार को उजाडाध जा रहा है और अधिकारी कागजी घोडाध दौडाने में व्यस्त है। सदर रेंज में जिस

तरह से वृक्षों की अवैध कटान हो रहा है, उससे साबित होता है कि विभाग का ही कोई विभीषण है जो वन माफियाओं की गोद में बैठा है। ताजा मामला कुड़वार थाना क्षेत्र के कोटिया ग्राम सभा से जुडाध है, जहा मकबूल नाम का ठेकेदार पांच पेड़ गुलर के अवैध ढ़ग से काट लिया। सूचना मिलने पर विभाग ने सदर रेंज के रेंजर को चिठ्ठी भी जारी की है,परंतु इस चिठ्ठी का भी वही हश्र होगा जो पूर्व की चिठ्ठियों का हुआ है, वन विभाग के मुखिया अमित सिंह को सदर रेंज में होने वाली अवैधा कटानों की सूचना मिलने पर कार्यवाही करने की बात तो होती है, परंतु जुर्माना से आगे और कुछ होना मुश्किल होता है, सूत्र बताते है कि रेजरों के रेंज में यदि बदलाव किया जाए तो बहुत हद तक सदर रेंज में अवैध कटान पर अंकुश लग सकता है, साथ ही संदिग्ध कर्मियों का मनोबल भी टूटेगा। सूत्रों की माने तो सदर रेंज में भारी तदात में अवैध कटान में विभागीय कर्मी की संलिप्ता रहती है, यदि विभागीय अध्यक्ष अपने स्तर से जांच कराले, तो सच्चाई सामने आ जाएगी, देखना होगा सदर रेंज मे हो रही अवैध कटान पर विभाग कैसी कार्यवाही करता है।

घटना स्थल पर जांच पड़ताल करती पुलिस

अयोध्या(आरएनएस)। घर से बाजार के लिए निकले करीब 42 वर्षीय युवक की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शनिवार सुबह करीब साढेध ग्यारह बजे बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के मरुई सहाय सिंह पठखौली गांव के समीप अयोध्या प्रयागराज रेल ट्रैक पर हुआ। मिली जानकारी के मुताबिक वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आने से 42 वर्षीय प्रेम प्रकाश बनराजा पुत्र जयराम बनराजा निवासी नसीरपुर मूसी नगर पंचायत बीकापुर की दर्दनाक मौत हुई है । घटना शनिवार सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे की बताई जाती है। हादसे की सूचना मिलने के बाद 112 पीआरबी पुलिस व रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। और सूचना बीकापुर कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर लोगों से घटना के बारे में जानकारी की। शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटनास्थल पर पहुंचे नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश पांडे राना, सभासद राम तीरथ यादव द्वारा गहरी शोक संवेदना जताई । ट्रेन की चपेट में आने से हुई घर के मुखिया की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा चार छोटे बच्चे हैं। जिन पर दुःखों का पहाड़ टूटा है। सबके परवरिश की जिम्मेदारी मृतक प्रेम प्रकाश के ऊपर थी। नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश पांडे राना ने बताया कि परिवार बहुत गरीब है। हर संभव परिवार की मदद किया जाएगा। परिजनों ने बताया कि सुबह मृतक प्रेम प्रकाश बाजार के लिए निकले थे। और ट्रेन की चपेट में आ गए। प्रभारी निरीक्षक लालचंद सरोज ने बताया कि सूचना मिलने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री वैश्विक नगरीय योजना के क्रियान्वयन को लेकर डीएम ने की बैठक

अयोध्या(आरएनएस)। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में नगरीय सेवायें और अवस्थापना विकास परियोजनाएं (मुख्यमंत्री वैश्विक नगरीय योजना) के क्रियान्वयन हेतु मानक संचालन प्रक्रिया के अन्तर्गत 05 वर्ष के विजन प्लान व 01 वर्ष (2024–25) के वार्षिक कार्ययोजना हेतु परियोजना निर्माण समिति की बैठक आयोजित की गयी, जिसमें समिति के सदस्य अनिरुद्ध प्रताप सिंह अपर जिलाधिकारी प्रशासनध्प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय, ममता सिंह, मुख्य कोषाधिकारी अयोध्या, श्री शशिभूषण सिंह अधिशाषी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड–4 अयोध्या, जी0पी0 पांडेय सहायक नगर आयुक्त अयोध्या व इन्द्र प्रताप अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत भरतकुंड भदरसा सम्मिलित हुये, जिसमें अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत भरतकुंड भदरसा द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिस पर समिति द्वारा विचार विमर्श किया गया।जनपद की नगर पालिकाध्नगर पंचायत के आधार वर्ष 2022–23 के सापेक्ष वर्ष 2023–24 में वसूली में हुई वृद्वि की समीक्षा की गयी जिसमें पाया गया कि जनपद की नगर पंचायत भरतकुण्ड भदरसा की वर्ष 2022–23 की वसूली 9.43 लाख के सापेक्ष वर्ष 2023–24 की

महाकुंभ 2025 के लिए स्ट्रीट वेंडर्स को लायन अश्वडर्स वा हेल्पलाइन नंबर के प्रति दिया गया प्रशिक्षण

प्रयागराजध्महाकुंभ 2025 प्रयागराज में पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों की सुविधा हेतु स्ट्रीट वेंडर्स को जागरुकता कार्यक्रम मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधान संस्थान लखनऊ द्वारा प्रयागराज में होटल राही सिविल लाइंस में महाकुम्भ में सरल सुगम यातायात हेतु पुलिस उपायुक्त यातायात नीरज पाण्डेय वा अपर पुलिस उपायुक्त कुलदीप सिंह के निर्देशन में यातायात निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय द्वारा यातायात के नियमों के बारे में जागरूक किया गया। उनके द्वारा बताया गया की जो भी

महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओ को नए कानून भारतीय न्याय संहिता के बारे में बताया गया जो भी हेल्पलाइन नम्बर हैं उन नम्बर के बारे में बताया गया आग की घटना, छेड़ छाड़,बच्चो के गुम होने पर, स्वास्थ्य खराब होने या किसी भी दुर्घटना होने पर किन किन नंबरों पर सूचना दे सकते है उन्हे याद रखें। लुभाने के लिए अपनी दुकानें सुसज्जित वा आकर्षक बनाए साफ सफाई का विषेश ध्यान दें,सुगमता पूर्वक संगम या अन्य स्नान घाट तक जा पाए इसके लिए अपनी दुकान सड़क से हटकर ही लगाए जिससे यातायात प्रभावित न हो और मेले में वाहनों को चौराहों से उचित दूरी पर खड़ा होने के लिए उनके ड्राइवरों को बताए और स्नेहपूर्वक श्रद्धालुओं से चौराहे पर न खड़े होने को बताएं। मेले के निकटतम रेलवे स्टेशन के नाम वा दूरी की जानकारी अवश्य रखें साथ ही साथ क्षेत्र में ड्यूटी लगाई जाए उस सर्किल के एसएचओ,चौकी प्रभारी का नंबर जरूर सेव रखें मेले में किसी भी तरह के अफवाह को न फैलने दें जिससे भगदड़ की संभावना न होने पाए,मेले में जो भी नियम बनाए जाएंगे उसका पालन करें। जिस घाट पर छमता से अधिक भीड़ हो उन घाटों पर न जाने के श्रद्धालुओ से अपील करें और प्रशासन का सहयोग करें असुविधा होने पर मदद भी लेते रहें और शालीनता पूर्वक पालन कराएं। दूर दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के प्रमुख मार्ग का भी ध्यान रखें और उनकी भाषा से भी यह समझ लीजिए की ये व्यक्ति किस राज्य का होगा उसे उसी रूट के तरफ का रास्ता बताएं।हर रूट के वाहन पार्किंग की भी जानकारी याद रखने की आवश्यकता है अतिथि देवो भव की भावना से मेले में अपना योगदान दें।जो अपने सगे संबंधियों से बिछड़ गए हो उन्हे साउंड सिस्टम से पुकारा कराएं और भूले भटके शिविर में भेजवा दें,मेले के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों के वर्तमान नाम से ही नाम लें जिससे लोगों को सही स्थान तक ले जाया जा सके, संदिग्ध व्यक्तियों के दिखने पर प्रशासन को सूचना दें, जिससे मेले में किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए। प्रशिक्षण में स्ट्रीट वेंडर्स के साथ साथ सिविल डिफेन्स के चिरोंजी लाल वा अन्य लोगो ने भी प्रतिभाग किए। प्रशिक्षण के अंत में क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।प्रशिक्षण पर्यटन विभाग असिस्टेंट प्रोफेसर प्रखर तिवारी के उपस्थिति में किया गया और प्रतिभागियों से प्रश्नोत्तरी कर उनके सवाल के जवाब दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान समाज सेवी नितीश शुक्ल,यातायात टीम से संदीप शुक्ल,प्रदीप दुबे मौजूद रहे।

घटनास्थल पर मौजूद थाना अध्यक्ष कुमारगंज रतन सिंह एवं नगर पंचायत अध्यक्ष कुमारगंज - विकास सिंह छोटू

अयोध्या(आरएनएस)। नगर पंचायत कुमारगंज के अकमा गांव में एक दर्दनाक घटना घटी जहां 20 वर्षीय युवक दुर्गेश चौहान अपने तीन दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गए था, जंहा नहाते समय वह डूब गया। उसके दोस्तों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे असफल रहे। स्थानीय पुलिस ने गोताखोरों की मदद से 6 घंटे के प्रयास के बाद शव को बरामद किया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक कुमारगंज थाना क्षेत्र के अकमा पूरे विंध्य गोसाई गांव निवासी 20 वर्षीय दुर्गेश चौहान पुत्र काशी प्रसाद अपने दोस्त लवकुश 17 वर्ष दिनेश गोस्वामी 19 वर्ष, रवि चौहान 21 वर्ष के साथ गांव से करीब 1 किलोमीटर दूर बेतवा नाले के पास पीएनसी कंपनी द्वारा खोदे गए तालाब में नहाने गये थे। नहाते समय दुर्गेश गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। रवि चौहान और दिनेश दुर्गेश को डूबता देख बचाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक वह डूब गया। रवि चौहान ने घटना की जानकारी दुर्गेश के परिजनों को दी।जानकारी होने के बाद बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण पानी में घुसकर खोजना शुरू किया। लेकिन कहीं पर जब कोई पता नहीं लगा तो उन्होंने थाना कुमारगंज पुलिस को घटना से अवगत कराया। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोर कलीम और देवगांव से गोताखोरों को बुलाया 6 घंटे चले रेस्क्यू के बाद तालाब से शव को पुलिस ने बरामद किया। घटनास्थल पर नगर पंचायत अध्यक्ष कुमारगंज विकास सिंह छोटू मौजूद रहे,प्रभारी निरीक्षक थाना कुमारगंज रतन सिंह ने बताया कि ग्रामीण की मौजूदगी में शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम को भेजते हुए विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कुमारगंज विद्युत उपकेंद्र का ट्रांसफार्मर जला, सैकड़ो गांव अंधेरे में डूबे

मिल्कीपुर अयोध्या(आरएनएस) मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित कुमारगंज विद्युत उपकेंद्र से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। उपकेंद्र पर लगा 10 एमवीए का ट्रांसफार्मर जल गया है जिसके चलते सैकड़ो गांवों की पचासों हजार की आबादी अंधेरे में डूब गई है। भीषण बरसात और गर्मी के बीच विद्युत उपभोक्ताओं का जीना दुश्वार हो गया है। बता दें कि चार दिन पूर्व इसी उपकेंद्र से जुड़े खंडासा फीडर से सम्बद्ध सैकड़ो उपभोक्ताओं ने विद्युत उपकेंद्र का घेराव कर विद्युत विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की थी और जमकर प्रदर्शन किया था और बदहाल विद्युत आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त कराए जाने की मांग की थी। इसके बाद खांडसा फीडर के कुछ गांव की विद्युत आपूर्ति नगर पंचायत कुमारगंज के द्वितीय फीडर से संबद्ध कर दी गई थी और तब जाकर विद्युत आपूर्ति बाल हो सकी थी। किंतु बीते बृहस्पतिवार की रात उपकेंद्र पर स्थापित 10 एमबीए का ट्रांसफार्मर जल गया है। जिसके चलते सैकड़ो गांव की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। अब विद्युत उपभोक्ताओं के घरों में अंधेरा छा गया है। भीषण गर्मी एवं बरसात के मौसम में लोगों को अंधेरे में रात काटनी पड़ रही है। जला ट्रांसफार्मर अभी बदला नहीं जा सका है, जबकि विद्युत विभाग के शीर्ष अधिकारियों ने विद्युत आपूर्ति किए जाने की एक तरकीब निकाल ली है। उनका दावा है कि उपकेंद्र से जुड़े सभी फीडरों को दो–दो चक्र में चार–चार घंटे विद्युत आपूर्ति प्रदान की जाएगी। किंतु फीडरों पर लगातार फॉल्ट बने रहने के चलते उस दावे की भी हवा निकल गई है। लोगों को 4 घंटे की तो बात दूर 10 मिनट भी विद्युत आपूर्ति नसीब नहीं हो पा रही है। विद्युत विभाग मुख्य अभियंता रामकुमार एवं अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड तृतीय मिल्कीपुर विनोद कुमार का कहना है कि जला हुआ ट्रांसफार्मर बदले जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ट्रांसफार्मर लखनऊ से शनिवार देर शाम तक बिजली घर पहुंच जाएगा और रविवार को शाम तक उसे स्थापित करते हुए विद्युत आपूर्ति पूरी तरह से बहाल करा दी जाएगी। लेकिन अब लोगों को पेयजल सहित अंधेरे में प्रकाश व्यवस्था तक का संकट पैदा हो गया है।

समाजवादी युवजन सभा की बैठक को सम्बोधित किया पूर्व मंत्री तेजनारायण पाण्डेय पवन नें

अयोध्या(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर युवजन सभा की जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक बुलाई गई। बैठक की अध्यक्षता युवजन सभा के जिला अध्यक्ष जय सिंह राणा एवं संचालन उपाध्यक्ष मनोज यादव ने किया बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन व विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव व महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम मौजूद रहे, बैठक में मिल्कीपुर विधानसभा उप चुनाव के बारे में चर्चा की गई और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को जीताने का संकल्प लिया गया बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार से जनता त्रस्त है और इसका जवाब आने वाले मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को जिताकर देगी जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा सभी पदाधिकारी मिल्कीपुर के उपचुनाव में घर घर जाकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा किए गए कार्यों को जन–जन तक पहुंचाने का काम करें जिससे कि समाजवादी पार्टी की जीत सुनिश्चित हो प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव, जिला अध्यक्ष युव जन सभा जय सिंह राणा, महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम, अतुल यादव, शुभम वर्मा, नीरज शर्मा, समरपाल सिंह, अखिलेश यादव, गोविंद विश्वकर्मा, दीपक यादव, वीरेंद्र यादव, अनुभव, महमूदखान, अमित यादव,, अखिलेश यादव, राशिद, सलिल, जुनैद अहमद, मिर्जा सनी, अमन, आर्यन, आशीष ,आदि लोग मौजूद रहे।

अनाथों के नाथ बने एसडीम ध्रुव खड़िया

बीकापुर–अयोध्या(आरएनएस)। सोशल मीडिया पर दो अनाथ बच्चों की खबर चलने के बाद हरकत में आया तहसील प्रशासन उप जिला अधिकारी बीकापुर ध्रुव खड़िया ने राजस्व टीम को पंडरी पूरे जालिम गांव भेज कर बच्चों को हर संभव मदद करने के लिए कहा वही उनकी दिन दशा को देखकर जिले के आला अधिकारियों ने भी मदद का भरोसा दिलाया। बता दें कि लगभग 15 वर्ष पूर्व तहसील क्षेत्र के पूरे ग्यवार गांव के रहने वाले शिवबरन यादव अपनी पत्नी व तीन छोटे–छोटे बच्चों के साथ तहसील क्षेत्र के पंडरी पूरे जालिम गांव आ गए जहां पर उन्होंने अपना आशियाना बना लिया, लेकिन कुछ दिनों बाद शिवबरन अचानक बीमार हो गए और डॉक्टर ने इलाज के दौरान शिवबरन के पैर की दसों उंगलियों को काट दिया जिसकी देखरेख उनकी पत्नी व बच्चे करते थे लेकिन उनकी तंगहाली को देख पत्नी बीते 22 दिसंबर 2021 को किसी के संग फरार हो गई, शिव बरन पत्नी के जाने के वियोग में 5 दिसंबर 2021 को दम तोड़ दिया। पिता की मौत के बाद बच्चे दाने–दाने को तरस रहे हैं लेकिन बिटिया शिवानी मेहनत मजदूरी करके छोटे भाई शिवम के भविष्य को संवारने में लगी हुई हैं, सोशल मीडिया व प्रिंट मीडिया पर खबर चलने के बाद तहसील प्रशासन बच्चों की मदद के लिए आगे आ गया उप जिलाधिकारी बीकापुर के आदेश पर शनिवार को राजस्व लेखपाल सुशील कुमार शर्मा व कानून गो राजेंद्र सिंह बच्चों के पास पहुंच कर कुछ आर्थिक मदद कर मकान बनाने के लिए जमीन की खोजबीन में जुट गए।

संपादकीय

फैक्ट चेक यूनिट मौलिक अधिकारों का हनन

आज के दौर में न्यायपालिका की ओर से ऐसा दो टूक और साहसी हस्तक्षेप कभी–कभार ही होता है। इसके बीच फैक्ट चेक यूनिट खारिज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के ताजा फैसले को एक चमकती हुई मिसाल के रूप में देखा जाएगा।

सरकार की एजेंसी खबरों के फैक्ट चेक करे, यह सोच ही अतार्किक है। स्वाभाविक है कि ऐसी एजेंसी बनाने की सरकार की पहल को लेकर समाज में आरंभ से ही व्यग्रता देखी गई। यह आम समझ थी कि इस पहल के पीछे मंशा ऐसे तथ्यों को मीडिया से बाहर करना है, जो सरकार को असहज करने वाले हो सकते हैं। वर्तमान सरकार के दौर में फेक न्यूज और फैक्ट चेक विवादास्पद मुद्दे रहे हैं। ऐसे विवादों के क्रम में सरकार के अपने नजरिए को अक्सर एकतरफा माना गया है। इसीलिए फैक्ट चेकर यूनिट बनाने की उसकी पहल को दुर्भावनापूर्ण भी समझा गया था। अब इन सभी आशंकाओं की बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुष्टि कर दी है। उसने नए सूचना तकनीक कानून में संबंधित संशोधन को खारिज कर दिया है। सरकार के खिलाफ कथित फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं को रोकने के लिए बनाई गई तथ्य–जांच इकाइयों को अदालत ने असंवैधानिक घोषित कर दिया है। अदालत ने यह उचित टिप्पणी की कि फैक्ट चेक यूनिट नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन है।

आज के दौर में न्यायपालिका की ओर से ऐसा दो टूक और साहसी हस्तक्षेप कभी–कभार ही होता है। इसके बीच बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को एक चमकती हुई मिसाल के रूप में देखा जाएगा। फैक्ट चेक यूनिट बनाने की पहल को कॉमेडियन कुणाल कामरा, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, न्यूज ब्रॉडकास्ट और डिजिटल एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैगजीन्स ने कोर्ट में चुनौती दी थी। पहले हाई कोर्ट की दो जजों वाली बेंच में जस्टिस गौतम पटेल और जस्टिस नीला के. गोखले ने अलग–अलग फैसला सुनाया। इसके बाद इस मामले को तीसरे यानी टाई ब्रेकर जज के पास भेजा गया था। तीसरे जज जस्टिस अतुल एस. चंदूरकर ने अपने निर्णय में सरकारी संशोधन को असंवैधानिक करार दिया। कहा कि यह संशोधन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 19 का उल्लंघन है। इस निर्णय से मीडियाकर्मियों के साथ–साथ आम नागरिकों को भी बड़ी राहत मिली है। फैक्ट चेक यूनिट सक्रिय हो जातीं, तो आशंका थी कि हर वैसी खबर कार्रवाई के दायरे में आ जाएगी, जिसमें सरकारी नैरेटिव हट कर अलग कहानी बताई गई हो।

दिल्ली की सत्ता में लौटने की जुगत

तकरीबन ढाई दशक बाद दिल्ली की सत्ता में वापिसी के लिए भाजपा फिर एक प्रयोग करने की तैयारी में हैं। और यह प्रयोग होगा पढ़ी लिखी महिलाओं को राजनीति में बढ़ाने का। 26 साल पहले भी भाजपा ने विधानसभा चुनावों से दो महीने पहले सुषमा स्वाराज को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया था पर भाजपा तब इस खेल में फेल हो गई थी। अब जब दिल्ली में आप पार्टी के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा देने के बाद दिल्ली सरकार में ही मंत्री आतिशी को मुख्यमंत्री बनाया है तो भाजपा को फिर सुध आई है। तभी 2025 में होने जा रहे दिल्ली विधानसभा के चुनावों में फतेह की उम्मीद और मुख्यमंत्री को लेकर भाजपा पढ़ी लिखी महिलाओं का जो नरेटिव आप पार्टी ने आतिशी को मुख्यमंत्री बनाकर बनाया है उसी को भाजपा अपनाने की तैयारी में बताई जा रही है। हाँ यह अलग बात है कि भाजपा बांसुरी के साथ–साथ लोकसभा हारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री रहीं स्मृति ईरानी को भी सीएम पद के लिए आगे बढ़ाने की कोशिश में बताई जा रही। भाजपा को लगता है कि चुनाव में ग्लैमर का तड़का भी कहीं न कहीं उसे फायदा पहुँचा सकता है। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी दिल्ली में पूसा रोड स्थित स्प्रिंगडेल्स स्कूल से स्कूली शिक्षा लेने के बाद स्टीफन्स कालेज में पढीं और फिर आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से शिक्षा लेने के बाद राजनीति में आईं।

कुछ इसी तरह भाजपा की टिकट पर इस बार नई दिल्ली से सांसद बनी बांसुरी स्वराज भी रहीं हैं। बांसुरी स्वराज ने भी आक्सफोर्ड से कानून की पढ़ाई कर हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में वकालत की और फिर राजनीति में आईं है। और पहली बार में नई दिल्ली से लोकसभा जीत सांसद बनी है। अब भला कोई यह कहे कि युवा और विदेश से पढ़ाई के बाद महिला मुख्यमंत्री का आप का नरेटिव समझने के बाद भाजपा भी यह करती दिख रही है तो आश्चर्य भी कैसा ? या यूँ कहिए कि दोनों महिलाएँ,युवा ,विदेश में पढ़ी, उम्र भी करीब एक समान ही है और राजनीति में हाथ अजमा रही हैं। हाँ यह अलग बात है कि आतिशी का मकसद आगे अरविंद केजरीवाल को फिर मुख्यमंत्री बनाने में माहौल तैयार करने की भी जिघ्मेवारी बताई जा रही है। पर बांसुरी के साथ शायद ऐसा नहीं ।उनकी पार्टी भाजपा तो केवल इस नरेटिव को अजमाकर दिल्ली की सत्ता में लौटने की जुगत में है।और साथ ही वे पार्टी के लिए महिलाओं के बीच वोटों के लिए जमीन तैयार कर सकेंगी।

पर सवाल तो यह भी है कि जिन तीन पूर्व सांसदों को पार्टी विधानसभा चुनावों में उतारने की तैयारी में और उनसे आसपास की विधानसभाओं में वोटों पर असर पडने की उम्मीद है या यह कि वोटों की खघतिर तीनों सांसद पार्टी से सीएम पद की माँग उठाकर वोटों पर असर डाल सकेंगे आखरिघ उनके साथ पार्टी क्या खेला करना चाहती है?

सोचिए दस साल सांसद रहने के बाद विधायक बन भी गए तो क्या कहेंगे लोगबाग और कैसा महसूस करते रहेंगे ये तीनों नेता। लेकिन पार्टी का आदेश सिरमौर, सो पूर्व सांसद रमेश विघ्ाूडी, प्रवेश वर्मा और मीनाक्षी लेखी के अगले साल होने वाले विघ्ाानसभा चुनावों में मैदान में उतारे जाने की संभावना है। चर्चा है कि पार्टी ने इन तीनों को इशारा कर दिया है। चर्चा तो यह भी है कि टिकट दिए जाने पहले इन तीनों पूर्व सांसदों की जीत हार की संभावनाओं को सर्वे करा कर टटोला जाएगा। हालाँकि पार्टी ने अपने सभी छह पूर्व सांसदों से विधानसभा चुनाव की तैयारी में लग जाने और समय समय पर पार्टी आलाकमान को रिपोर्ट देने को कहा है। पूर्व सांसदों की टिकट फिसड्डी होने के चलते कटी या फिर पार्टी की दिल्ली फतह की मंशा के चलते यह बात अलग है पर भाजपा को भरोसा है कि ये तीनों पूर्व सांसद विधानसभा चुनावों में अपने लोकसभा के तहत आने वाली पाँच विधानसभा क्षेत्रों में असर डाल सकेंगे। इसके साथ ही मौजूदा सांसदों को भी कहा गया है कि अपने संसदीय क्षेत्र में में भाजपा उम्मीदवारों को जिताने की नैतिक जिघ्मेदारी लें।

अब भला भाजपा के ही लोग यह कहें कि चुनाव लड़ाए जाने वाले पूर्व सांसदों का मनोबल बनाए रखने के लिए पार्टी उन्हें सत्ता में आने पर मुख्यमंत्री बनाए जाने वाला ताकघ्त का केप्सूल भी देगी तो आश्चर्य भी कैसा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल में रहने और कांग्रेस व आप के वोटों के बंट जाने से भाजपा को दिल्ली में वापिसी की उम्मीद दिख रही है। और तभी वह फूंक–फूंक कर कदम बढ़ा रही है। अब भाजपा अपनी रणनीति से दिल्ली में जीत हासिल कर पाती हैं या नहीं यह इंतजार की बात है पर भाजपाईयों को केजरीवाल एंड पार्टी को इतने हल्के में लेना भी एक भूल ही साबित होना है। भले कांग्रेस के साथ उसका गठबंघ्ान हो या नहीं। तभी दिल्ली की राजनीति को लेकर यह कहा भी जाने लगा है कि आप पार्टी जहां अपना राजनीतिक काम खघ्त्म करती है भाजपा और कांग्रेस वहाँ से शुरू करते हैं।

चिकित्सक आंदोलन पर ममता की विरोध की प्रवृति उल्टी पड़ी

पश्चिम बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार के प्रति विरोध और प्रदर्शन से सत्ता हासिल करने वाली ममता बनर्जी ने इसे अपना हथियार बना लिया। केंद्र सरकार के खिलाफ शायद ही ऐसा कोई मौका हो जब ममता सरकार ने विरोध नहीं किया हो।संघीय ढांचे के तहत बने कानूनों और अदालतों के आदेशों के प्रति अडियल रूख अपनाने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आखिरकार अपने ही लोगों के सामने घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा। महिला चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के बाद चले आंदोलन से ममता के तेवर ढीले पड़ गए। ममता ने कल्पना भी नहीं की होगी पश्चिमी बंगाल में यह आंदोलन सरकार की चूलें हिला देगा। केंद्र सरकार और अदालतों के आदेशों के प्रति तीखे तेवर अपनाने वाली ममता इस्तीफा तक देने को तैयार हो गई। ममता के समझ में आ गया कि राजनीतिक द्वेषवश केंद्र सरकार की उपेक्षा की जा सकती है किन्तु प्रदेश की सत्ता में बने रहने के लिए राज्य के लोगों की नाराजगी सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा सकती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या के मामले में तृणमूल कांग्रेस की सरकार के खिलाफ देश ही नहीं विदेशों में भी आंदोलन हुए। इस घृणित अपराध के विरोध में ममता सरकार की निष्क्रियता के खिलाफ पश्चिमी बंगाल के हर वर्ग ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। हड़ताली चिकित्सकों ने मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशकों को हटाया जाना और कोलकाता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल के पद से हटाने की मांग की। ममता बनर्जी ने कुछ ही दिनों पहले कहा था कि वो पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को दुर्गा पूजा तक उनके पद पर बनाए रखेंगी। भारी विरोध के बाद आखिरकार गोयल का तबादला करना पड़ा। हड़ताली चिकित्सकों डॉक्टरों का कहना है कि अस्पतालों में उनके

सुरक्षा इंतजाम पुख्ता किए जाएं। वे मांग कर रहे हैं कि सरकार यह बताए कि 100 करोड़ रुपये का बजट किस प्रकार अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए खर्च किया जाएगा। उन्होंने अस्पतालों में सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिए श्रेफरल सिस्टम श को सुधारने और भर्ती में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की भी बात कही। जूनियर डॉक्टर मेडिकल कॉलेजों में छात्र संघ चुनाव कराए जाने और संस्थानों की नीतियों में उनका रिप्रेजेंटेशन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि छात्र संघ चुनाव के माध्यम से उनकी आवाज को प्रमुखता दी जाए ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। पश्चिमी बंगाल में अराजकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के बाद अराजकतत्वों ने अस्पताल पर हमला कर दिया। चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफ और मरीजों को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। असामाजिक तत्वों ने अपराध ा के घटना स्थल पर तोडफोड़ की और अपराध के सबूत मिटाने का प्रयास किया। इस मामले में मेडिकल कॉलेज और पुलिस प्रशासन आरोपियों परोक्ष तौर पर आरोपियों के पक्ष में खड़ा नजर आया। दुष्कर्म और हत्या को आत्महत्या का मामला बता कर रफादफा करने का प्रयास किया गया। पुलिस और प्रशासन के पक्षपातपूण रवैये के बाद अदालत के आदेश से मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपा गया। इसके बाद हर तरफ ममता सरकार के खिलाफ विरोध का स्वर बुलंद हुआ। भारी विरोध के बाद ममता को समझ में आ गया कि केंद्र की भाजपा गठबंधन सरकार की खिलाफत करने की तरह इस आंदोलन से नहीं निपटा जा सकता।पश्चिम बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार के प्रति विरोध और प्रदर्शन से सत्ता हासिल करने वाली ममता बनर्जी ने इसे अपना हथियार बना लिया। केंद्र सरकार के खिलाफ शायद ही ऐसा कोई मौका हो जब ममता सरकार ने विरोध नहीं किया हो। इसी प्रवृति का परिणाम है कि महिला चिकित्सक की मौत से पनपे आंदोलन को दबाने–कुचलने की कोशिश की गई। राहुल गांधी की ही तरह ममता बनर्जी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर मामले में विरोध करती रहीं है। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा और तीस्ता नदी के जल बंटवारे के मुद्दे पर ममता बनर्जी का आरोप है कि केंद्र की मोदी सरकार ने बांग्लादेश के साथ बातचीत में पश्चिम बंगाल सरकार को शामिल नहीं किया है। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भी लिखा। तीन पेज के लेटर में ममता ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार से पूछे बिना इस तरह की एकतरफा बातचीत हमें मंजूर नहीं है। इसी तरह राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फंड जारी करने की मांग को लेकर राज्य विधानसभा परिसर में धरना दिया गया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बंगाल के लोगों को योजनाओं से वंचित कर रही है। केंद्र की मोदी सरकार पर ममता बनर्जी ने निशाना साधते हुए कहा कि आप कहते हैं कि बंगाल को पैसा मत दीजिए. तो फिर हमसे पैसे भी मत लीजिये। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में केंद्र ने जीएसटी के लिए बंगाल से 6,80,000 करोड़ रुपये लिये हैं। गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने आईपीएस राजीव कुमार के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कहा था कि इस देश में कोई बिग बॉस नहीं है। यहां केवल जनता ही बिग बॉस है। केवल लोकतंत्र ही इस देश का बड़ा मालिक है। यह मेरी जीत नहीं है। यह संविधान की जीत है। यह भारत की जीत है। इसके बावजूद सत्ता के नशे में ममता चिकित्सकों के आंदोलन के मामले में अपना यह बयान भूल गई। सीबीआई ने कोलकाता पुलिस के प्रमुख राजीव कुमार पर सारदा और रोज वैली पोंजी योजनाओं में संभावित अभियुक्त होने का आरोप लगाया था। सीएम ममता बनर्जी ने सीबीआई के विरोध में धरना दिया और वहीं पर कैबिनेट की बैठक की और वहां पुलिस वीरता पुरस्कार भी दिए। उन्होंने अपने धरना को सत्याग्रह बताया। उन्होंने कहा कि वह देश और संविधान को बचाने के लिए धरने पर बैठी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कहा था कि कमिश्नर राजीव कुमार की कोई गिरफ्तारी नहीं होगी और न ही उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अदालत के गुणगान करने वाली मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रतिकूल फैसला आने पर अदालतों के विरोध में भी पीछे नहीं रही। ममता बनर्जी ने 2016 की शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से की गई सभी नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को अवैध माना। उत्तर बंगाल के रायगंज में एक चुनावी रैली के दौरान ममता ने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी के नेता न्यायपालिका और निर्णयों के एक हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी भर्तियों को रद्द करने का न्यायालय का फैसला अवैध है। हम उन लोगों के साथ खड़े हैं जिन्होंने अपनी नौकरी खो दी है। हम सुनिश्चित करेंगे कि आपको न्याय मिले और इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाए। उन्होंने दावा किया, ष्मैं किसी जज का नाम नहीं लूंगी, लेकिन मैं फैसले के बारे में बात कर रही हूं। इसी तरह ओबीसी आरक्षण कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले के बाद ममता टिप्पणी करने से बाज नहीं आई। पश्चिम बंगाल में 37 वर्गों को दिए गए ओबीसी (अन्य पिछड़े वर्ग) आरक्षण कलकत्ता हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। इस पर सीएम ममता बनर्जी बगावत पर उतर आईं। सीएम बनर्जी अदालत के फैसले को मानने को ही तैयार नहीं हुई। उन्होंने कहा है कि ओबीसी दर्जा रद्द करने और ओबीसी सर्टिफिकेट रद्द करने का अदालत का फैसला उनको स्वीकार्य नहीं है। केंद्र सरकार और अदालतों के आदेशों के प्रति पूर्वाग्रह का नजरिया रखने वाली पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की विरोध की यह प्रवृत्ति चिकित्सकों के आंदोलन में काम नहीं आ सकी। मुख्यमंत्री ममता शायद भूल गई कि यह मुद्दा राजनीतिक नहीं बल्कि प्रदेश के लोगों से जुड़ा हुआ है। इससे निपटने के तौर–तरीके अलग हैं। यदि लोगों की आवाज नहीं सुनी जाएगी तो जिस बूते केंद्र और अदालतों का विरोध किया जा रहा है, वह नींव खिसक जाएगी।

कठमुल्लों की तानाशाही से अमनपसंद आवाम परेशान

विनीत नारायण

तालिबान द्वारा यह नया प्रतिबंध महिलाओं को सार्वजनिक रूप से गाने, कविता पढने या जोर से पढने से भी रोकता है क्योंकि उनकी आवाज को शरीर का श्अंतरंगघ्य हिस्सा माना जाता है। अगस्त के अंत में लागू किया जाने वाला यह तालिबानी आदेश स्वतंत्रता पर कई प्रहारों में से एक है। महिलाओं को अब श्प्रलोभनघ्य से बचने के लिए अपने पूरे शरीर को हर समय ऐसे कपड़ों से ढकना चाहिए जो पतले, छोटे या तंग न हों, जिसमें उनके चेहरे को ढकना भी शामिल है।

पिछले कुछ वर्षों से यूरोप की स्थानीय आबादी और बाहर से वहाँ आकर बसे मुसलमानों के बीच नस्लीय संघर्ष तेज हो गए हैं। ये संघर्ष अब खूनी और विध्वंसकारी भी होने लगे हैं। कई देश अब मुसलमानों पर सखघ्त पाबन्दियाँ लगा रहे हैं। उन्हें देश से निकालने की माँग उठ रही है। आतंकवादियों की शरणस्थली बनी उनकी मस्जिदें बुलडोजर से ढहायी जा रही हैं। उनके दाढ़ी रखने और बुर्का पहनने पर पाबन्दियाँ लगाई जा रही हैं।

ये इसलिए हो रहा है क्योंकि मुसलमान जहां जाकर बसते हैं वहाँ शरीयत का अपना कघनून चलाना चाहते हैं। वो भी ज्यों का त्यों नहीं। वे वहाँ स्थानीय संस्कृति व धर्म का विरोध करते हैं। अपनी अलग पहचान बना कर रहते हैं। स्थानीय संस्कृति में घुलते मिलते नहीं है। हालाँकि सब मुसलमान एक जैसे नहीं होते। पर जो अतिवादी होते हैं उनका प्रभाव अधिकतर मुसलमानों पर पड़ता है। जिससे हर मुसलमान के प्रति नफरत पैदा होने लगती है।

ये बात दूसरी है कि इंग्लैंड, फ्रांस, हॉलैंड, पुर्तगाल जैसे जिन देशों में मुसलमानों के खघ्लिाफ माहौल बना है। ये वो देश हैं जिन्होंने पिछली सदी तक अधिकतर दुनिया को गुलाम बनाकर रखा और उन पर अपनी संस्कृति और धर्म थोपा था। पर आज अपने किए वो घोर पाप उन्हें याद नहीं रहे।

पर इसका मतलब ये नहीं कि अब मुसलमान भी वही करें जो उनके पूर्वजों के साथ अंग्रेजों, पुर्तगालियों, फ्रांसीसियों, डच ने किया था। क्योंकि आज के संदर्भ में मुसलमानों का आचरण अनेक देशों में वाकघ्ई चिंता का कारण बन चुका है। उनकी आक्रमकता और पुरातन धर्मांध सोच आधुनिक जीवन के बिलकुल विपरीत है। इसलिए समस्या और भी जटिल होती जा रही है।

ऐसा नहीं है कि उनके ऐसे कट्टरपंथी आचरण का विरोध उनके विरुद्ध खड़े देशों में ही हो रहा है। खघ्द मुस्लिम देशों में भी उनके कठमुल्लों की तानाशाही से अमनपसंद आवाम परेशान है। अफगघनिस्तान की महिलाओं को लें। उन पर लगीं कठोर पाबंदियों ने इन महिलाओं को मानसिक रूप से कुंठित कर दिया है। वे लगातार मनोरोगों का शिकार हो रही हैं। जब तालिबान ने पिछले महीने सार्वजनिक रूप से महिलाओं की आवाज पर अनिवार्य रूप से प्रतिबंध लगाने वाला एक कानून पेश किया, तो दुनिया हैरान रह गई।

लेकिन जो लोग अफगानिस्तान के शासन के अधीन रहते हैं, उन्हें इस घोषणा से कोई आश्चर्य नहीं हुआ। एक अंतरराष्ट्रीय न्यूज एजेंसी से बात करते हुए वहाँ रहने वाले एक महिला बताया कि, ष्हर दिन हम एक नए कानून की उम्मीद करते हैं। दुर्भाग्यवश, हर दिन हम महिलाओं के लिए एक नई, पाबंदी की उम्मीद करते हैं। हर दिन हम उम्मीद खो रहे हैं।ष

इस महिला के लिए इस तरह की कार्रवाई अपरिहार्य थी। लेकिन उसके लिए व उसके जैसी अनेक महिलाओं के लिए ऐसे फैसलों के लिए मानसिक रूप से तैयार होने से उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पडने वाला हानिकारक प्रभाव कम नहीं हुआ। तालिबान द्वारा यह नया प्रतिबंध महिलाओं को सार्वजनिक रूप से गाने, कविता पढने या जोर से पढने से भी रोकता है क्योंकि उनकी आवाज को शरीर का श्अंतरंगघ्य हिस्सा माना जाता है। अगस्त के अंत में लागू किया जाने वाला यह तालिबानी आदेश स्वतंत्रता पर कई प्रहारों में से एक है।

महिलाओं को अब श्प्रलोभनघ्य से बचने के लिए अपने पूरे शरीर को हर समय ऐसे कपड़ों से ढकना चाहिए जो पतले, छोटे या तंग न हों, जिसमें उनके चेहरे को ढकना भी शामिल है। जीवित प्राणियों की तस्वीरें प्रकाशित करना और कंप्यूटर या फोन पर उनकी तस्वीरें या वीडियो देखना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिससे अफगानिस्तान के मीडिया आउटलेट्स का भाग्य गंभीर खतरे में पड़ गया है।

महिलाओं की आवाज रिकॉर्ड करना और फिर उन्हें निजी घरों के बाहर प्रसारित करना भी प्रतिबंधित है। इसका मतलब है कि जिन महिलाओं ने अपने इंटरव्यू रिकॉर्ड किए या वॉयस नोट्स के माध्यम से किसी न्यूज एजेंसी के साथ बात करना चुना, तो ऐसा उन्होंने काफी बड़ा जोखिम उठा कर किया। लेकिन कड़ी सजा की संभावना के बावजूद उन्होंने कहा कि वे चुप रहने को तैयार नहीं हैं। इस एजेंसी को दिए गए इंटरव्यू के माध्यम से वे चाहते हैं कि दुनिया अफगानिस्तान में महिला के रूप में जीवन की क्रूर, अंधकारमय सच्चाई को जाने।

इस इंटरव्यू में अधिकतर महिलाओं ने अमानवीय सजा के डर से अपना नाम न देने की इच्छा जाहिर की। परंतु काबुल की सोदाबा नूरई एक अनोखी महिला थीं दृ उन्होंने सजा से बिना डरे अपना नाम लेने की इच्छा की। न्यूज एजेंसी को भेजे एक वॉइस मेसेज में उन्होंने कहा, ष्महिलाओं के लिए सार्वजनिक रूप से बोलने पर प्रतिबंध के बावजूद मैंने आपसे बात करने का फैसला किया क्योंकि मेरा मानना है कि हमारी कहानियों को साझा करना और हमारे संघर्षों के बारे में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है।

खुद पहचान जाहिर करना एक बहुत बड़ा जोखिम है, लेकिन मैं इसे लेने को तैयार हूं क्योंकि चुप्पी केवल हमारी पीड़ा को जारी रखने की अनुमति ही देगी। यह नया कानून बेहद चिंताजनक है और इसने महिलाओं के लिए भय और उत्पीडन का माहौल पैदा कर दिया है। यह हमारी स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करता है और यह शिक्षा, कार्य और बुनियादी स्वायत्तता के हमारे अधिकारों को कमजोर करता है।ष

उल्लेखनीय है कि सोदाबा नूरई को अपनी नौकरी से अगस्त 2021 में हाथ धोना पड़ा। क्योंकि तब वहाँ तालिबान का राज पुनरू स्थापित हुआ और शरीयत कानून के मुताबिकघ महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिये गये। अब उसे सरकार से प्रति माह 107 डॉलर के बराबर राशि मिलती है, जिसे वह महिलाओं की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त मानती हैं।

ये महिलाएँ चाहती हैं कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को तत्काल एक मजबूत, समन्वित और प्रभावी रणनीति विकसित और लागू करनी चाहिए जो तालिबान पर इन बदलावों को लाने के लिए दबाव डाले। इस तालिबानी आदेश से यह दिखाई देता है कि तालिबान द्वारा किसी एक अधिकार का उल्लंघन अन्य अधिकारों के प्रयोग पर किस तरह से घातक प्रभाव डाल सकता है।कुल मिलाकर, तालिबान की नीतियाँ दमन की एक ऐसी प्रणाली बनाती हैं जो अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के साथ उनके जीवन के लगभग हर पहलू में भेदभाव करती है।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपका विवेक और सूझबूझ से लिया गया निर्णय अच्छा रहेगा और हर काम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होंगे। संतान के पक्ष से कोई शुभ काम बनने से मन खुश रहेगा।

वृष राशि–
आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहयोगीयों और कर्मचारियों की मदद से उचित व्यवस्था बनी रहेगी और कार्य सुचारू रूप से संपन्न होते जाएंगे।

मिथुन राशि–
आज आपके दिन की शुरुआत स्लो रहेगी। आज कुछ परेशानियां रहेंगे परंतु इसके बावजूद आप अपनी संतुलित सोच द्वारा समाधान भी निकाल लेंगे। किसी आर्थिक समस्या का हल मिलने से सुकून रहेगा। इसमें

कर्क राशि–
आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज अपना स्वभाव पॉजिटिव बनाए रखेंगे। इस समय किसी भी तरह का लेन–देन स्थगित रखना ही उचित है। राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में अपनी उपस्थिति जरूर रखें।

सिंह राशि–
आज आपका दिन एक नया खास पल लेकर आएगा। रुपए–पैसे के मामले में किसी पर भी ज्यादा भरोसा ना करें। भावुकता और उदारता में लिए गए निर्णय नुकसान दे सकते हैं। अपनी इस कमजोरी पर आज विजय हासिल करेंगे।

कन्या राशि–
आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप खुद को आर्थिक तौर पर मजबूत करने की कोशिश करेंगे और सफल भी रहेंगे। लेन–देन संबंधी कोई मामला किसी की मध्यस्थता से हल करने का प्रयास करेंगे तो निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।

तुला राशि–
आज आपका दिन शानदार रहेगा। अधिक भागदौड़ वाला काम होने के बावजूद भी आप पॉजिटिव रहेंगे। आज उचित समय पर उचित निर्णय लेना फायदेमंद साबित होगा।

वृश्चिक राशि–
आज आपका दिन लकी रहेगा। दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे। आज सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने मे सफलता मिलेगी। आज अपने लक्ष्य को पूरा करने में और अधिक मेहनत करेंगे। अपनी फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

धनु राशि–
आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहेगा। जीवनसाथी की हेल्प कारगार हो सकती है। आँखों की समस्या किसी अच्छे डॉक्टर को दिखायेंगे,आपको आराम मिलेगा।

मकर राशि–
आज आपका दिन बेहद खुशनुमा रहेगा। आज किसी भी परिस्थिति में आप अपना स्वाभिमान और आत्म बल कमजोर नहीं पडने देंगे। आज चुनौतियों का सामना करें और आर्थिक मामलों को और अधिक बढिया बनाने की कोशिश करें।

कुंभ राशि–
आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। पेरेंट्स बच्चों के साथ किसी शोपिंग मॉल में घूमने जायेंगे जिससे उनमे बहुत उत्साह देखने को मिलेगी।

मीन राशि–
आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज कोई भी गलत बात को बर्दाश्त ना करें और अपना आत्मविश्वास बनाकर रखें। यह व्यवहार आपको शुभ अशुभ दोनों पक्षों में बेहतर सामंजस्य बनाकर रखेगा। किसी भी असमंजस की स्थिति में निकट मित्रों की सलाह उपयोगी रहेगी।

नसरुल्लाह की मौत पर आ गया हिजबुल्लाह का बयान, इजरायल के दावे पर लगा दी मुहर

फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय ने क बयान में कहा कि इस क्षेत्र ं फ्रांसीसी नागरिकों सहित ागरिकों की सुरक्षा और संरक्षण की गारंटी दी जानी चाहिए, जो मारी प्राथमिकता है। यह बयान जरायल के उस दावे के बाद ाया है जिसमें उसने एक दिन हले बेरूत के दक्षिणी उपनगरों ं हमले में हिजबुल्लाह प्रमुख को मार गिराया था। लेबनान के हिजबुल्लाह ने आखिरकार ्वीकार कर लिया है कि जरायली हमले में सैयद हसन सरल्लाह मौत हो गई है। इसके ाथ ही हिजबुल्लाह ने जरायल के खिलाफ लड़ाई जारी खने की कसम खाई। लेबनान की तरफ से ये घोषणा फ्रांस के विदेश मंत्रालय द्वारा यह कहे ाने के कुछ ही देर बाद आई कि उसकी जानकारी के अनुसार नसरल्लाह की मृत्यु हो चुकी है। फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस क्षेत्र में फ्रांसीसी नागरिकों सहित नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षण की गारंटी दी जानी चाहिए, जो हमारी प्राथमिकता है। यह बयान इजरायल के उस दावे के बाद आया है जिसमें उसने एक दिन पहले बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हमले में हिजबुल्लाह प्रमुख को मार गिराया था। नसरल्लाह को अली कराकी और अन्य हिज्बुल्लाह कमांडरों के साथ मार दिया गया। इजरायली सेना ने कहा कि नसरल्लाह कई इजरायली नागरिकों और सैनिकों की हत्या और यहूदी राज्य के खिलाफ हजारों आतंकवादी गतिविधियों की योजना बनाने के

लिए जिम्मेदार था। सेना ने कहा कि आईडीएफ उन सभी को नुकसान पहुंचाना जारी रखेगा जो इजरायल के नागरिकों के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं और इसमें शामिल हैं। नसरल्लाह की मौत लेबनान में ईरान समर्थित समूह के लिए सबसे बड़ा झटका है। इजरायली सैन्य अधिकारियों ने कहा कि वे हाई अलर्ट पर हैं, उन्हें उम्मीद है कि नसरल्लाह की मौत से हिज्बुल्लाह की दिशा बदल सकती है, हालांकि वे सतर्क बने हुए हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल नदाव शोशानी ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि हमें उम्मीद है कि इससे हिज्बुल्लाह की हरकतें बदल जाएँगी। लेकिन उन्होंने कहा कि हिज्बुल्लाह की क्षमताओं को कम करने में अभी भी समय लगेगा।

नसरुल्लाह की मौत पर ईरान की चेतावनी, कहा– अंत में जीत हिजबुल्ला की होगी

एक तरफ हमास, दूसरी तरफ हिजबुल्ला और तीसरी तरफ ईरान है। दरअसल, इजरायल डिफेंस फोर्स ने एक टारगेट अटैक करते हुए हमला किया था और इस हमले में इस्माइल हानिया की मौत हो गई थी। अब हिजबुल्ला का सुप्रीम नसरल्लाह को टारगेट करते हुए इजरायल ने जबरदस्त बमबारी की और अब दावा ये किया गया है कि नसरल्लाह मारा गया है। ईरान के सर्वोच्च नेता खामनेई ने एक पोस्ट किया। इजरायल ने बर्बरता की है। खामनेई ने लिखा कि निहत्थे लोगों को निशाना बनाया गया। महिलाओं और बच्चों को निशाना बनाया गया। क्रूरता दुनिया के सामने जाहिर हुआ। खामनेई ने दावा किया कि अंत में जीत हिजबुल्ला की होगी। यानी एक तरफ हमास, दूसरी तरफ हिजबुल्ला और तीसरी तरफ ईरान है। दरअसल, इजरायल डिफेंस फोर्स ने एक टारगेट अटैक करते हुए हमला किया था और इस हमले में इस्माइल हानिया की मौत हो गई थी। अब हिजबुल्ला का सुप्रीम नसरल्लाह को टारगेट करते हुए इजरायल ने

जबरदस्त बमबारी की और अब दावा ये किया गया है कि नसरल्लाह मारा गया है। नसरल्लाह को अली कराकी और अन्य हिज्बुल्लाह कमांडरों के साथ मार दिया गया। इजरायली सेना ने कहा कि नसरल्लाह कई इजरायली नागरिकों और सैनिकों की हत्या और यहूदी राज्य के खिलाफ हजारों आतंकवादी गतिविधियों की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार था। सेना ने कहा कि आईडीएफ उन सभी को नुकसान पहुंचाना जारी रखेगा जो इजरायल के नागरिकों के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं और इसमें शामिल हैं। नसरल्लाह की मौत लेबनान में ईरान समर्थित समूह के लिए सबसे बड़ा झटका है। ये भी दावा किया गया कि नसरल्लाह की बेटी भी मारी गई है। हिजबुल्ला चीफ हसन नसरल्लाह को टारगेट कर इजरायल ने साउथ बेरूत पर दर्जनों बम बरसाए। नसरल्लाह की मौत को लेकर कोई पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन हिजबुल्लाह के एक करीबी सूत्र ने रॉयटर्स को बताया कि वो उस वक्त वहां मौजूद नहीं थे। इजराइल के चौनल 12 ने नसरल्लाह की बेटी जैनब की मौत की खबर दी। हालांकि हिज्बुल्लाह या लेबनानी अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

अब दुनिया को नहीं डरा पाएगा हसन नसरल्लाह, इजरायली सेना ने किया कंफर्म– मारा गया हिज्बुल्लाह चीफ

नसरल्लाह 32 वर्षों से ईरान समर्थित समूह का नेतृत्व कर रहा था। यह जानकारी सेना के अरबी भाषी प्रवक्ता अवीचाय अद्रेई ने दी। यह जानकारी एक दिन पहले बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हिजबुल्लाह के मुख्यालय को निशाना बनाकर इजरायली हमले के बाद दी गई। इजरायल की तरफ से हिजबुल्ला चीफ हसन नसरल्लाह को लेकर सबसे बड़ा दावा किया गया है। इजरायल डिफेंस फोर्स ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि हसन नसरल्ला अब दुनिया को आतंकित नहीं कर पाएगा। इजरायली सेना के अरबी भाषी प्रवक्ता अवीचाय अद्रेई ने कहा कि इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत की पुष्टि की गई है। नसरल्लाह 32 वर्षों से ईरान समर्थित समूह का नेतृत्व कर रहा था। यह जानकारी सेना के अरबी भाषी प्रवक्ता अवीचाय अद्रेई ने दी। यह जानकारी एक दिन पहले बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हिजबुल्लाह के मुख्यालय को निशाना बनाकर इजरायली हमले के

ाद दी गई।नसरल्लाह को अली कराकी और अन्य हिज्बुल्लाह कमांडरों के साथ मार दिया गया। इजरायली सेना ने कहा कि नसरल्लाह कई इजरायली नागरिकों और सैनिकों की हत्या और यहूदी राज्य के खिलाफ हजारों आतंकवादी गतिविधियों की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार ा। सेना ने कहा कि आईडीएफ उन सभी को नुकसान पहुंचाना जारी रखेगा जो इजरायल के नागरिकों के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं ौर इसमें शामिल हैं। नसरल्लाह की मौत लेबनान में ईरान समर्थित समूह के लिए सबसे बड़ा झटका है। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने रूत में हिजबुल्ला के केंद्रीय मुख्यालय पर हमला किया है। इजरायली सेना के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने टेलीविजन पर यह घोषणा की। बेरूत हुए विस्फोट के बाद आसमान में नारंगी और काले रंग के धुएं का गुबार छा गया। यह हमला ऐसे दिन किया गया, जब इजराइल के प्रधानमंत्री जामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र को संबोधित किया है।

अमेरिका में ईरानियों पर ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान को हैक करने का आरोप

अमेरिका के न्याय विभाग ने डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान को कथित तरीके से हैक करने और मीडिया संगठनों को चुराई गई जानकारी प्रसारित करने के संदेह पर शुक्रवार को ईरान के तीन लोगों के खिलाफ आपराधिक आरोप तय किए हैं। न्याय विभाग ने कहा कि तीनों आरोपी हैकर ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड में कार्यरत थे। वाशिंगटन । अमेरिका के न्याय विभाग ने डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान को कथित तरीके से हैक करने और मीडिया संगठनों को चुराई गई जानकारी प्रसारित करने के संदेह पर शुक्रवार को ईरान के तीन लोगों के खिलाफ

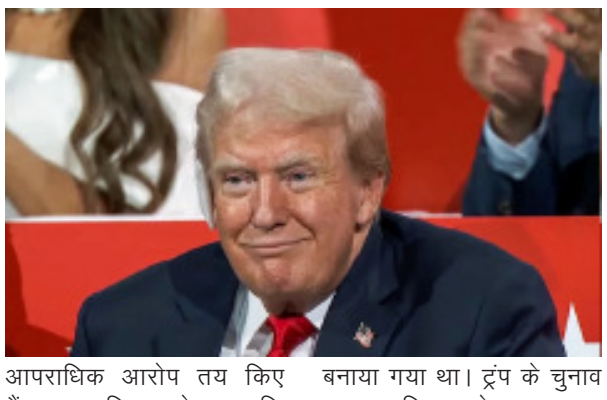

आपराधिक आरोप तय किए हैं। न्याय विभाग ने कहा कि तीनों आरोपी हैकर ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड में कार्यरत थे और उनके प्रचार अभियान में सरकारी अधिकारियों, मीडिया के सदस्यों और गैर–सरकारी संगठनों सहित कई लोगों को निशाना बनाया गया था। ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान ने 10 अगस्त को खुलासा किया कि इसे हैक कर लिया गया था और कहा कि इरान के तीनों आरोपियों ने संवेदनशील आंतरिक दस्तावेजों को चुराया तथा प्रसारित किया। पोलिटिको, द न्यूयोर्क टाइम्स और द वाशिंगटन पोस्ट समेत कई प्रमुख समाचार संस्थानों ने कहा कि ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान की अंदरूनी गोपनीय जानकारी उन्हें लीक की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे प्रसारित करने से इंकार कर दिया था। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने बाद में ईरान को ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान को हैक करने और जो बाइडन–कमला हैरिस के चुनाव प्रचार अभियान में सेंध लगाने के प्रयास से जोड़ा। पिछले सप्ताह, अधिकारियों ने यह भी खुलासा किया कि जून के अंत और जुलाई की शुरुआत में ईरानियों ने बाइडन के चुनाव प्रचार अभियान से जुड़े लोगों को हैक की गई जानकारी के अंश वाले अनचाहे ईमेल भेजे।

ऐसे कोई डराता है क्या! बार–बार भारत की तरफ से पीओके छीनने की धमकी पर संयुक्त राष्ट्र से शहबाज शरीफ की गुहार

शहबाज शरीफ ने कहा कि ारत बार–बार पीओके छीनने की धमकी देता है। दुनिया को स पर ध्यान देना चाहिए। ाहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र हासभा की बैठक में कश्मीर का राग अलापते हुए भारत की ैन्य ताकत का भी डर साफ ाफ दिखा है। यूएनजीए एक सा मंच है जहां पर तमाम मुद्दे ठते हैं, लेकिन पाकिस्तान बार ार कश्मीर का मुद्दा यहां पर ठाने से बाज नहीं आता। इस ार तो खुद शहबाज शरीफने स मुद्दे को उठाया और इतना ो नहीं भारत की बढ़ती सैन्य ाकत को भी खतरा बताया। ंयुक्त राष्ट्र महासभा में ाकिस्तान के प्रधानमंत्री ाहबाज शरीफ ने एक बार फिर े कश्मीर का राग अलापा। हीं भारत की बढ़ती सैन्य ताकत ो पाकिस्तान के लिए बड़ा खतरा बताया। शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत बार–बार ीओके छीनने की धमकी देता है। दुनिया को इस पर ध्यान ना चाहिए। शहबाज शरीफ ने ंयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक ें कश्मीर का राग अलापते हुए ारत की सैन्य ताकत का भी डर साफ साफ दिखा है।पाकिस्तान ने दुनिया के

सामने फरियाद लगाई है। यूएनजीए में पाकिस्तान ने गिड़गिड़ाते हुए कहा कि भारत अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। पीओके छीनने की बार बार धमकी दे रहा है। बता दें कि भारत की तरफ से पीओके के प्रति प्रतिबद्धता में लगातार इजाफा हुआ है। देश के गृह मंत्री ने संसद में खड़े होकर साफ कर दिया था कि पीओके हमारा है और इसके लिए हम जान भी दे सकते हैं। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू कश्मीर के रामबन इलाके में खड़े होकर सीधे पीओके की जनता को मैसेज दिया है। राजनाथ सिंह ने कहा है कि पीओके के लोगों को पाकिस्तान को छोड़कर भारत के साथ चले आना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामगढ़ में चुनावी जनसभा में एक दिन पहले ही कहा था कि शांतिपूर्ण चुनावों के जरिए बीजेपी की सत्ता में वापसी के बाद, पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भी जम्मू–कश्मीर का हिस्सा बनने जा रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने मांग की कि भारत को 2019 में जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 कोनिरस्त करने के फैसले को वापस लेना चाहिए। उन्होंने भारत पर अपनी मुस्लिम आबादी को अधीन करने और इस्लामी विरासत को खत्म करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। पाकिस्तान नियमित रूप से संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक संबोधन में कश्मीर मुद्दा उठाता रहा है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि दुनियाभर में आतंकवादी घटनाओं में उसका हाथ रहा है और पड़ोसी देश को यह पता होना चाहिए कि भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद के परिणाम अनिवार्य रूप से भुगतने पड़ेंगे। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की आम बहस में अपने संबोधन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा जम्मू–कश्मीर का मुद्दा उठाने जाने की प्रतिक्रिया में अपने जवाब देने के अधिकार का शुक्रवार को इस्तेमाल किया।

नेतन्याहू के हाथों में दिखा 2 मैप, डिकोड करने में लगी दुनिया, क्या फिलिस्तीन का नामो–निशान नहीं रहेगा ?

इजरायल और उसके अरब सहयोगियों को हिंद महासागर और भूमध्य सागर के बीच एशिया और यूरोप को जोड़ने वाले एक सेतु पुल का निर्माण करते हुए दिखाता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान कहा कि इस पुल के पार हम रेल लाइन, ऊर्जा पाइपलाइन, फाइबर ऑप्टिक केबल बिछाएंगे और यह दो अरब लोगों की बेहतरी के लिए काम करेगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने क्षेत्र के मैप प्रस्तुत किए। इनमें एक मध्य पूर्व का नक्शा था जिसमें ईरान, सीरिया, इराक और यमन को काले रंग से रंगा गया था और उस पर अभिशाप लिखा था। वहीं बाएं हाथ में मिस्र, सूडान, सऊदी अरब और भारत सहित देशों को हरे रंग से रंगा गया था और इस पर आशीर्वाद लिखा था। इसमें इजरायल और उसके अरब सहयोगियों को हिंद महासागर और भूमध्य सागर के बीच एशिया और यूरोप को जोड़ने वाले एक सेतु पुल का निर्माण करते हुए दिखाता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान कहा कि इस पुल के पार हम रेल लाइन, ऊर्जा पाइपलाइन, फाइबर ऑप्टिक केबल बिछाएंगे और यह दो अरब लोगों की बेहतरी के लिए काम करेगा। सबसे चौकाने वाली बात ये थी की इन नक्शों में फिलिस्तीन के अस्तितव को मिटा दिया गया है। अब दुनिया के कई देशों की सरकार इन नक्शों को डिकोड करने में लगी हुईं हैं। नेतन्याहू ने दूसरा नक्शा दिखाते हुए कहा कि दूसरा नक्शा देखिए। यह अभिशाप का नक्शा है। यह आतंक के उस चक्र का नक्शा है जिसे ईरान ने हिंद

महासागर से लेकर भूमध्य सागर तक बनाया और लागू किया है। अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को बंद कर दिया गया है। ईरान ने व्यापार को काट दिया। लाखों लोगों को नष्ट कर दिया है। नेतन्याहू ने सात अक्टूबर 2023 को इजराइल की धरती पर हुए हमास के हमले के प्रति अपने देश की जवाबी कार्रवाई का बचाव किया। हमास के हमले की प्रतिक्रिया में चलाये गए इजराइली सैन्य अभियान ने गाजा पट्टी को तहस–नहस कर दिया। उन्होंने कहा कि इस साल मैं यहां नहीं आना चाहता था। मेरा देश अपना अस्तित्व बचाने के लिए युद्ध लड़ रहा है। लेकिन जब कई वक्ताओं द्वारा इस मंच से मेरे देश पर लगाए गए झूठे आरोप और (उसकी) बदनामी को मैंने सुना, तो यहां आने और सच्चाई को सामने लाने का फैसला किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इजराइल शांति चाहता है।

इजरायल के एयर स्ट्राइक में हिजबुल्ला चीफ की बेटी जैनब नसरल्लाह की हुई मौत, क्या होगा युद्ध पर इसका असर ?

इजराइल के चौनल 12 ने सरल्लाह की बेटी जैनब की ौत की खबर दी। हालांकि हिज्बुल्लाह या लेबनानी अधि कारियों की ओर से कोई आधि कारिक पुष्टि नहीं की गई है। जरायल की तरफ से साउथ रूत के इलाके में हिजबुल्लाह के गढ़ों को निशाना बनाकर किए गए एयर स्ट्राइक में हसन सरल्लाह की बेटी जैनब सरल्लाह की मौत हो गई है। हिजबुल्ला चीफ हसन सरल्लाह को टारगेट कर जरायल ने साउथ बेरूत पर र्जनों बम बरसाए। नसरल्लाह की मौत को लेकर कोई पुष्टि हीं हुई है। लेकिन हिजबुल्लाह

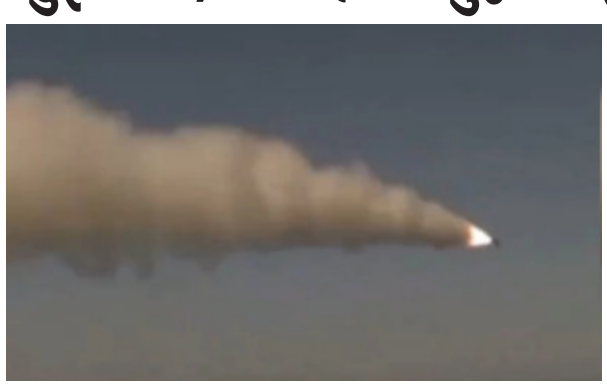

के एक करीबी सूत्र ने रॉयटर्स को बताया कि वो उस वक्त वहां मौजूद नहीं थे। इजराइल के चौनल 12 ने नसरल्लाह की बेटी जैनब की मौत की खबर दी। हालांकि हिज्बुल्लाह या लेबनानी अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, हिज्बुल्लाह के प्रति अपनी मुखर निष्ठा और अपने परिवार के बलिदानों के लिए जानी जाने वाली जैनब ने पहले अपने भाई हादी की मौत के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की थी, जिसे 1997 में इजराइली सेना ने मार डाला था। अगर इस खबर की पुष्टि हो जाती है, तो जैनब की मौत हिज्बुल्लाह के लिए करारा झटको होगी। इजरायल की तरफ से लगातार हो रहे हमले में एक सप्ताह में 800 से अधिक लोग मारे गए हैं। हिज्बुल्लाह के बारे में उनके बयानों ने सार्वजनिक कथन को रेखांकित किया था कि उनके परिवार और समूह के समर्थकों के बीच शहादत को एक महान कारण के रूप में देखा जाता है। खबर में कहा गया है।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के बदले सुर, कहा– पीएम मोदी पर गलत कमेंट करने वालों पर लिया एक्शन

पिछले साल नवंबर में चीन समर्थक रुख के लिए मशहूर मुइज्जू के मालदीव के राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत और मालदीव के बीच संबंधों में तनाव काफी बढ़ गया था। शपथ लेने के कुछ ही घंटों के भीतर उन्होंने मालदीव में तीन विमानन प्लेटफॉर्म पर तैनात भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने की मांग की थी। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव में श्इंडिया आउटश के किसी भी अजेंडे से इनकार किया और कहा कि हमने कभी भी इस नीति का पालन नहीं किया है। उन्होंने यह जरूर कहा कि हमारे द्वीप देश में विदेशी सेना की मौजूदगी गंभीर समस्या थी। मुइज्जू ने ये बातें भारत दौरे के कुछ समय पहले कही हैं। मालदीव के समाचार पोर्टल ंकींकीन.बवउ से बातचीत में

मुइज्जू ने कहा, हमने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर गलत कमेंट करने वाले अपने नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है। हमारी सरकार ने इसलिए भारतीय सैनिकों को मालदीव छोड़ने का आदेश दिया कि हमारे देश के लोग विदेशी सैनिक अपनी जमीन पर नहीं चाहते हैं।पिछले साल नवंबर में चीन समर्थक रुख के लिए मशहूर मुइज्जू के मालदीव के राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत और मालदीव के बीच संबंधों में तनाव काफी बढ़ गया था। शपथ लेने के कुछ ही घंटों के भीतर उन्होंने मालदीव में तीन विमानन प्लेटफॉर्म पर तैनात भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने की मांग की थी। समय के साथ भारत और मालदीव के बीच तनाव में कमी देखी गई, क्योंकि जून में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में मुइज्जू को आमंत्रित किया गया था। मुइज्जू ने पड़ोसी देश भारत के साथ संबंधों को बनाए रखने और मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी जताई थी और इसे द्वीपसमूह राष्ट्र के सबसे करीबी सहयोगियों और अमूल्य भागीदारों में से एक बताया था। चीन के करीबी मुइज्जू को अब सत्ता संभालने के बाद धीरे धीरे भारत की अहमियत समझ में आने लगी है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। इस यात्रा को रिश्तों में कड़वाहट के बाद द्विपक्षीय संबंधों को फिर से स्थापित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। 7–9 अक्टूबर के दौरान द्विपक्षीय यात्रा के लिए भारत में रहने वाले हैं। नाम न बताने की शर्त पर ऊपर बताए गए लोगों ने बताया कि मोदी सहित भारतीय नेतृत्व के साथ उनकी बैठकें 8 अक्टूबर को निर्धारित हैं।

कार हादसे के बाद मुशीर खान क्रिकेट से तीन महीने तक रह सकते हैं दूर, गर्दन में फ्रैक्चर

सरफराज खान के छोटे भाई मुंबई के ऑलराउंडर मुशीर खान की लखनऊ के बाहरी इलाके में हुई सड़क दुर्घटना के बाद हालत अब स्थिर है लेकिन वह आगामी ईरानी कप से शुरू होने वाले क्रिकेट सत्र से लेकर लंबे समय तक क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान के छोटे भाई मुंबई के ऑलराउंडर मुशीर खान की लखनऊ के बाहरी इलाके में हुई सड़क दुर्घटना के बाद हालत अब स्थिर है लेकिन वह आगामी ईरानी कप से शुरू होने वाले क्रिकेट सत्र से लेकर लंबे समय तक क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। मुशीर के गर्दन में चोट लगी है जिसके कारण उनके कम से कम तीन महीने तक क्रिकेट से बाहर रहने की संभावना है। इससे वह 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी 2024–25 सत्र की शुरुआत में मुंबई के मैचों से बाहर हो गए हैं। पता चला है कि, मुशीर एक अक्टूबर से शुरू होने वाले ईरानी कप के लिए अपने गृहनगर आजमगढ़ से लखनऊ जा रहे थे लेकिन उनकी कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। मुशीर के साथ उनके पिता नौशाद खान भी थे जिन्हें भी पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर हुई इस दुर्घटना में मामूली खरोंच आई हैं। लखनऊ के मेदांता अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक

डॉक्टर भोला सिंह ने एक बयान में कहा कि मुशीर खतरे से बाहर हैं। उन्होंने बयान में कहा कि, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुई सड़क दुर्घटना में घायल हुए क्रिकेटर मुशीर खान को गर्दन में दर्द के कारण मेदांता अस्पताल के आपातकाली विभाग में लाया गया। उनका उपचार ऑर्थोपेडिक्स विभाग के निदेशक डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह की देखरेख में चल रहा है। उन्होंने कहा कि, उनकी हालात अब स्थिर है और वह खतरे से बाहर हैं।

एक भी गेंद फेंके बिना रद्द हुआ दूसरे दिन का खेल, 9 साल बाद हुआ ऐसा

कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द कर दिया गया। सुबह हल्की बूंदाबांदी के बाद तेज बारिश शुरू हो गई जिससे ग्रीन पार्क स्टेडियम पर दूसरे दिन कोई खेल नहीं हो सका। पहले दिन भी बारिश की वजह से मैच देरी से शुरू हुआ था।भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैच की टेस्ट सीरीज का दूसरा मच का कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन का खेल लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द कर दिया गया। सुबह हल्की बूंदाबांदी के बाद तेज बारिश शुरू हो गई जिससे ग्रीन पार्क स्टेडियम पर दूसरे दिन कोई खेल नहीं हो सका। पहले दिन भी बारिश की वजह से मैच देरी से शुरू हुआ था। 35 ओवर का खेल होने के बाद बारिश के कारण आगे का खेल रद्द करना पड़ा। इससे पहले 2015 में ऐसा हुआ था, जब साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में पूरा दिन खेल नहीं हो सका था। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 2015 में चार मैच की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में बारिश की वजह से मैच ड्रॉ रहा था। बेंगलुरु में

खेले गए मुकाबले में भारतीय कप्तान ने टॉस जीतकर वहां भी पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। अफ्रीका ने पहली पारी में 59 ओवर में सभी विकेट खोकर 214 रन बनाए। भारत ने 22 ओवर में 80 रन बनाए थे लेकिन इसके बाद मैच को ड्रॉ घोषित करना पड़ा। भारत और बांग्लादेश मैच की बात करें तो दूसरे दिन मैदानकर्मियों ने 11.15 के आसपास बारिश रुकने पर तीन सुपर सोपर्स लगाए। रोशनी भी साफ नहीं थी जिस कारण सवा दो बजे आधिकारिक तौर पर खेल रद्द करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी बारिश की संभावना है। हालांकि, सोमवार और मंगलवार को आसमान साफ रहने की उम्मीद है। ऐसे में मैच ड्रॉ की ओर बढ़त दिख रहा है।

केन विलियमसन को एक ही सेशल में दो बार करनी पड़ी बल्लेबाजी, श्रीलंका के सामने पस्त न्यूजीलैंड

मेजबान श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए खेल के तीसरे दिन 5 विकेट पर 602 रन बनाकर अपनी पारी को घोषित किया।

इसके जवाब में जब न्यूजीलैंड की बैटिंग शुरू हुई तो पूरी टीम ताश के पत्तों की रह बिखर गई। न्यूजीलैंड की टीम दूसरे सेशन के खत्म होने से पहले ही 88 रन पर ही ढेर हो गई।श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की बुरी हालत हो गई है। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। मेजबान श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए खेल के तीसरे दिन 5 विकेट पर 602 रन बनाकर अपनी पारी को घोषित किया। इसके जवाब में जब न्यूजीलैंड की बैटिंग शुरू हुई तो पूरी टीम ताश के पत्तों की रह बिखर गई। न्यूजीलैंड की टीम दूसरे सेशन के खत्म होने से पहले ही 88 रन पर ही ढेर हो गई। न्यूजीलैंड की तरफ से सबसे ज्यादा मिचेल सैंटनर ने 29 रनों की पारी खेली। इसके अलावा 7 बल्लेबाज ऐसे रहे जो दहाई का आंकड़ा भी नहीं पार कर पाए। टीम के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन 53 गेंद खेलकर महज 7 रन बना सके। इसके साथ विलियमसन के नाम के एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज हो गया जिसे वह कभी याद नहीं रखना चाहेंगे। केन विलियमसन दुनिया के दिग्गज बल्लेबाजों में से एक हैं। विराट कोहली, जो रूट और स्टीव स्मिथ के साथ मॉर्डन डे क्रिकेट में वह फैब फोर में गिने जाते हैं, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैच में उन्हें करियर में पहली बार एक ही सेशन में दो बार बैटिंग के लिए उतरना पड़ा जो कि काफी शर्मनाक है। श्रीलंका के मिले फॉलोऑन के बाद विलियमसन को बिलकुल भी उम्मीद नहीं थी कि उन्हें दोबरा बैटिंग के लिए जाना पडेघ्गा। दरअसल, न्यूजीलैंड की शुरुआत दूसरी पारी में भी निराशजनक रही थी। ओपनर बल्लेबाजों ने अपना विकेट जल्दी गंवा दिया। ऐसे में उन्हें मैदान पर उतरना पड़ा गया। दूसरी पारी में केन ने क्रीज पर अपना पैर जमाया और डेवोन कॉन्वे के साथ मिलकर टीम के लिए फिफ्टी साझेदारी की।

आईसीसी बैठकों में बीसीसीआई प्रतिनिधि चुनना एजीएम का मुख्य एजेंडा

रविवार को होने वाली 93वीं सालाना बैठक का मुख्य एजेंडा आईसीसी की बैठकों में भारत के दो प्रतिनिधियों का चुनाव होगा और निवर्तमान सचिव जय शाह के बाद नये सचिव की तलाश एजेंडे में नहीं है। बैठक इसलिये भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यूएई में महिला टी20 विश्व कप के बाद दुबई में आईसीसी कांक्लेव होने वाली है।भारतीय क्रिकेट बोर्ड की रविवार को होने वाली 93वीं सालाना बैठक का मुख्य एजेंडा आईसीसी की बैठकों में भारत के दो प्रतिनिधियों का चुनाव होगा और निवर्तमान सचिव जय शाह के बाद नये सचिव की तलाश एजेंडे में नहीं है। बैठक इसलिये भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यूएई में महिला टी20 विश्व कप के बाद

दुबई में आईसीसी कांक्लेव होने वाली है।महिला टी20 विश्व कप का फाइनल 20 अक्टूबर को दुबई में है और तब तक शाह बीसीसीआई सचिव पद पर रहेंगे। वह एक दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन का पद संभालेंगे। बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में सौरव गांगुली का कार्यकाल खत्म होने के बाद से शाह आईसीसी बैठकों में भारत की नुमाइंदगी करते आये हैं।बोर्ड के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी वैकल्पिक निदेशक हैं जो बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व आईसीसी बैठकों में कर सकते हैं लेकिन अभी तक ऐसा हुआ नहीं है। उनके कार्यकाल का एक ही साल बचा है लिहाजा देखना होगा कि वह वैकल्पिक निदेशक बने रहेंगे या किसी और को नामित किया जायेगा। सचिव का चयन एजेंडे में नहीं हैं। यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के नये परिसर के उद्घाटन के लिये एकत्र हुए सदस्य इस पर आपस में बात कर सकते हैं।फिलहाल दो नामों गुजरात क्रिकेट संघ के सचिव अनिल पटेल और रोहन जेटली पर विचार हो रहा है जो दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष भी हैं। समझा जाता है कि पटेल दौड़ में आगे चल रहे हैं। एजीएम में भारतीय क्रिकेट संघ के प्रतिनिधि और आमसभा में से दो को शामिल करना , उप समितियों की नियुक्ति और 2024 . 25 के सालाना बजट को मंजूरी देना भी शामिल है। आईपीएल संचालन परिषद की बैठक भी यहां शनिवार को बुलाई गई है और इसमें रिटेंशन के नियम पर बात होगी।

टेस्ट में एलबीडब्लू करने का रिकार्ड बना चुके हैं अश्विन, ग्लेन मैक्ग्रा को पछाड़ कर 5वें नंबर पर पहुंचे

अश्विन ने पहली पारी में बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को एलबीडब्ल्यू आउट किया। टेस्ट फॉर्मेट में अश्विन ने 114 खिलाड़ियों को स्ठॅ किया है साथ ही उन्होंने ग्लेन मैक्ग्रा का रिकॉर्ड तोड़कर उनसे आगे निकल गए हैं। टेस्ट प्रारुप में सबसे ज्यादा बल्लेबाजों को स्ठॅ आउट करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में आर अश्विन अब 5वें नंबर पर आ गए।बारिश के कारण कानपुर टेस्ट के दूसरे दिन अभी तक खेल शुरू नहीं हो पाया है। वहीं पहले दिन का खेल भी बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। बांग्लादेश ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अभी तक 3 विकेट के नुकसान पर 107 रन बना लिए हैं। वहीं पहले दिन महज 35 ओवर तक का ही खेल हो पाया। भारत की तरफ से खेल के पहले दिन आकाशदीप ने 2 विकेट लिए, लेकिन आर अश्विन ने एक विकेट हासिल किया। इस एक विकेट की मदद से अश्विन ने ग्लेन मैक्सवेल के इस रिकॉर्ड को तोड़ने में सफता हासिल की। कानपुर टेस्ट मैच के पहले दिन

अश्विन ने पहली पारी में बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को एलबीडब्ल्यू आउट किया। टेस्ट फॉर्मेट में अश्विन ने 114 खिलाड़ियों को स्ठॅ किया है साथ ही उन्होंने ग्लेन मैक्ग्रा का रिकॉर्ड तोड़कर उनसे आगे निकल गए हैं। टेस्ट प्रारुप में सबसे ज्यादा बल्लेबाजों को स्ठॅ आउट करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में आर अश्विन अब 5वें नंबर पर आ गए। इस नंबर पर पहले ग्लेन मैक्सवेल थे जिन्होंने 113 खिलाड़ियों को इस तरह से आउट किया था जो अब छठे नंबर पर खिसक गए हैं। टेस्ट प्रारूप में सबसे ज्यादा बल्लेबाजों को स्ठॅ आउट करने वाले खिलाड़ियों में पहले नंबर पर भारत के ही अनिल कुंबले हैं। उन्होंने टेस्ट में कुल 156 बैट्समैन को स्ठॅ आउट किया था। तो वहीं श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 149 खिलाड़ी को स्ठॅ आउट किया था। तीसरे नंबर पर शेन वॉर्न हैं जिन्होंने 138 खिलाड़ियों को स्ठॅ आउट किया था तो वसीम अकरम लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं उन्होंने 119 खिलाड़ियों को इस तरह आउट किया था।

इस पूर्व क्रिकेटर ने बताया मोहम्मद शमी का विकल्प, कहा– बार्डर–गावस्कर ट्राफी में ये खिलाड़ी ले सकता है जगह

संजय मांजरेकर ने उस खिलाड़ी का नाम बताया है जो बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए धाकड़ तेज गेंदबाज शमी का बेस्ट रिप्लेसमेंट हो सकता है। हालांकि, मांजरेकर ने शर्त रखी है। उन्होंने कहा है कि अगर शमी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए फिट नहीं हुए तो दाहिने हाथ के पेसर आकाश दीप सर्वश्रेष्ठ विकल्प होंगे।पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मशहूर कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने उस खिलाड़ी का नाम

बताया है जो बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए धाकड़ तेज गेंदबाज शमी का बेस्ट रिप्लेसमेंट हो सकता है। हालांकि, मांजरेकर ने शर्त रखी है। उन्होंने कहा है कि अगर शमी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए फिट नहीं हुए तो दाहिने हाथ के पेसर आकाश दीप सर्वश्रेष्ठ विकल्प होंगे। शमी अनफिट होने के कारण लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बीजीटी का आगाज होना है। दोनों टीमें पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में टकराएंगी। मांजरेकर ने क्रिकइन्फो पर चर्चा के दौरान कहा कि, जब भारतीय टीम बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए जाएगी तो ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी लेफ्ट हैंडर्स होंगे। आकाशदीप राउंड द विकेट जो गेंदबाजी करते हैं, उनकी सटीक लाइन और लेंथ है। वह 140 नहीं बल्कि 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। लेकिन उनकी ताकत है कि गेंद हवा में बहुत सीधा आती है। फिर ऑफ द पिच थोड़ी बहुत हरकत करती है। अच्छे बल्लेबाजों को ऐसे गेंदबाज ज्यादा परेशान करते हैं। मेरे हिसाब से अगर मोहम्मद शमी फिट नहीं हुई तो आकाश उनके सबसे बेस्ट विकल्प हो सकते हैं। फिलहाल बता दें कि, आकाश ने फरवरी 2024 में टेस्ट डेब्यू किया था। पूर्व क्रिकेटर का मानना है कि आाश दाहिना हाथ तेज गेंदबाज सिराज से भी ज्यादा प्रभावी हैं। उन्होंने कहा कि, वह लेफ्ट हैंडर्स के खिलाफ सिराज से भी ज्यादा प्रभाव छोड़ रहे हैं। उनकी कामयाबी देखकर अच्छा लग रहा है। उन्होंने चेन्नई टेस्ट में सिर्फ 11 ओवर किए थे। चेन्नई टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में पांच ओवर के अंदर दो विकेट हासिल किए। वह दूसरे टेस्ट में भी पहली पारी में दो विकेट अपने नाम कर चुके हैं।

बेबी प्लानिंग के दौरान भूलकर भी ना खाएं ये फूड्स, गर्भधारण में होगी दिक्कत!

आज के समय में बांझपन की समस्या तेजी से बढ़ती नजर आ रही है. महिलाओं और पुरुषों में फर्टिलिटी क्षमता से जुड़ी अलग–अलग समस्याएं देखने को मिलती हैं. इसके कई कारण हैं, जिनमें जीवनशैली से जुड़े कारण काफी आम हैं. काम के कारण तनाव भरा जीवन, गलत खान–पान और धूम्रपान की आदत के कारण भी लोगों में गर्भधारण से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं.

आज के समय में बांझपन की समस्या तेजी से बढ़ती नजर आ रही है. महिलाओं और पुरुषों में फर्टिलिटी क्षमता से जुड़ी अलग–अलग समस्याएं देखने को मिलती हैं. इसके कई कारण हैं, जिनमें जीवनशैली से जुड़े कारण काफी आम हैं. काम के कारण तनाव भरा जीवन, गलत खान–पान और धूम्रपान की आदत के कारण भी लोगों में गर्भधारण से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं.

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक आजकल के लोगों में बांझपन की समस्या खराब खान–पान, प्रोसेस्ड फूडस होती है.इसके अलावा कुछ सुपरफूड ऐसे भी

हैं जिसका सेवन प्रेगनेंसी प्लानिंग कर रहे हैं लोगों को नहीं करना चाहिए.क्योंकि, इनके सेवन से आपके गर्भधारण के चांस कम हो सकते हैं.इलाइची का सेवन न करेंआयुर्वेद के अनुसार, कफ को संतुलित करने के लिए हरी इलायची के सेवन की सलाह दी जाती है. इसमें कई पोषक तत्व पाए जाते हैं. इलायची का सेवन शरीर में दर्द, सीने में जलन, सांस की तकलीफ और मुंह में कड़वा स्वाद को कम करने के लिए भी जाना जाता है. इलायची हमारे शरीर के पाचन शक्ति बढ़ाता है और साथ ही कफ, खुजली और अन्य समस्याओं से आराम दिलाता है.अगर प्रजनन क्षमता की बात करें तो इलायची का सेवन करने से पुरुषों को इरेक्टाइल डिसफंक्शन जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है. लेकिन आयुर्वेदिक के अनुसार महिलाओं को इलाइची का सेवन कम मात्रा में करना चाहिए. गर्भावस्था के दौरान ज्यादा इलायची का सेवन आपको नुकसान पहुंचा सकता है.अलसी का बीजआयुर्वेद के मुताबिक, दिल के बीमारियों के लिए अलसी के बीज का सेवन काफी फायदेमंद होता है. इसके अलावा पेशाब से जुड़ी समस्याएं भी कम करने लिए अलसी

के बीजों का सेवन फायदेमंद माना जाता है.स्पर्श काउंट में अलसी के बीज को काफी चमत्कारी माना जाता है. अलसी के बीज के सेवन से शुक्राणुओं की संख्या कम हो सकती है. जो लोग गर्भधारण की कोशिश कर रहे हैं उन्हें अलसी के बीज का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए

ब्राउन ब्रेड खाना वाकई में होता है हेल्दी ? आज जान लीजिए इसका जवाब

सुबह–सुबह ब्रेड और चाय खाना बहुत से लोगों को पसंद होता है. कुछ लोग व्हाइट ब्रेड तो कुछ ब्राउन ब्रेड खाते हैं. उनका मानना है कि नॉर्मल ब्रेड की तुलना में ब्राउन ब्रेड सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है. इसे खाने से शरीर को कई लाभ मिलते हैं. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या वाकई ब्राउन ब्रेड ज्यादा हेल्दी होता है. आखिर यह व्हाइट ब्रेड से अलग कैसे होता है. आइए जानते हैं जवाब...ब्राउन ब्रेड क्यों हेल्दी माना जाता हैव्हाइट ब्रेड की तुलना में ब्राउन ब्रेड इसलिए ज्यादा जल्दी ऑप्शन माना जाता है, क्योंकि यह गेहूं से बनता है, जबकि व्हाइट ब्रेड रिफाइंड ग्रेन से बनाई जाती है. हेल्थ कॉन्शियस लोग ब्राउन ब्रेड का सेवन कर सकते हैं.ब्राउन ब्रेड क्यों ज्यादा हेल्दी

1. ब्राउन ब्रेड होल वीट यानी गेहूं के आटे से बनती है. इसे बनाने के लिए आटे से चोकर भी नहीं हटाया जाता है. इसलिए इसमें फाइबर ज्यादा होता है.

2. साबुत गेहूं के आटे से बनने के कारण ब्राउन ब्रेड ज्यादा

फायदेमंद होता है.3. ज्यादा फाइबर की वजह से ब्राउन ब्रेड सॉफ्ट नहीं होता, क्योंकि इसे ज्यादा प्रॉसेस नहीं किया जाता है.4. ब्राउन ब्रेड में नेचुरली ज्यादा खनिज पाया जाता है, जिससे अलग से विटामिन और मिनरल्स मिलाने की जरूरत नहीं पड़ती है.क्या हर तरह के ब्राउन ब्रेड फायदेमंद

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्रोसेस्ड ग्रेन को होल ग्रेन के साथ मिलाकर खाने से ज्यादा नुकसान नहीं होता है. लेकिन अगर ब्राउन ब्रेड या डार्क कलर ब्रेड होने का मतलब यहन हीं कि वह वाकई पौष्टिक हो या होल व्हीट से बना हो. हर तरह की ब्राउन ब्रेड एक तरह से नहीं बनाई जाती है. इसलिए अगर सिर्फ रंग देखकर ब्रेड को हेल्दी मान रहे हैं तो यह एक भूल हो सकती है.

क्या सफेद ब्रेड नहीं खानी चाहिए

सफेद ब्रेड भी खा सकते हैं बस उसमें ब्राउड ब्रेड की तुलना में कम न्यूट्रीशन होते हैं. ब्राउन ब्रेड जब भी चुने तो उसके लेबल पर 100त्न होल व्हीट या होल ग्रेन लिखा होना चाहिए. ऐसे ब्रेड में फाइबर, मैग्नेशियम, विटामिन ई और कुछ फैटी एसिड्स मिल जाते हैं जो शरीर के लिए फायेदमंद होते हैं.

भूल भुलैया 3 का मोस्ट अवेटेड टीजर हुआ रिलीज, रूह बाबा के रोंगटे खड़े कर रहा मंजूलिका का खौफ

कार्तिक आर्यन और विद्या बालन की मोस्ट अवेटेड भूल भूलैया 3 का टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है. टीजर वाकई मजेदार है जिसमें हमें पता चलता है कि रूह बाबा और मंजूलिका आमने सामने होंगे. टीजर में विद्या बालन का लुक काफी डरावना है साथ ही फिल्म कॉमेडी का तड़का भी लगाया गया है. कार्तिक के अपोजिट तृप्ति डीमरी को कास्ट किया गया है जिसकी झलक भी हमें टीजर में देखने को मिलती है.भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन के रूह बाबा की वापसी हुई है और इस बार उनका सामना विद्या बालन की मंजुलिका से होगा. टीजर में गुस्से में मंजुलिका को अपनी कालकोठरी से बाहर निकलने की कोशिश करते हुए दिखाया गया है. वहीं मंजूलिका अपने सिंहासन के लिए लड़ते हुए दिखती हैं. इसी से पता चलता है कि फिल्म में रूह बाबा और मंजूलिका के बीच कड़ी टक्कर होने वाली है. टीजर में तृप्ति डिमरी की झलक भी देखने को मिलती है जो इस फिल्म में कार्तिक के अपोजिट नजर आने वाली हैं. खबरें थीं कि इस फिल्म में माधुरी दीक्षित का खास कैमियो होगा लेकिन मेकर्स ने टीजर में उनकी झलक नहीं दिखाई गई है. उनके

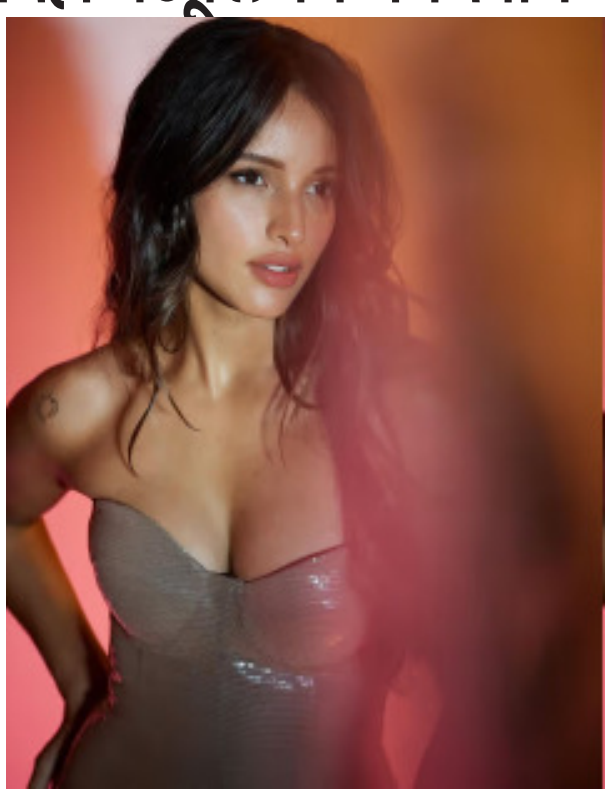

रोल का एक्साइटमेंट बरकरार रखने के लिए मेकर्स ने उन्हें टीजर में छिपा कर रखा है. हाल ही में मेकर्स ने एक नया पोस्टर रिलीज करते हुए मंजूलिका की झलक दिखाई थी जिसे देखने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई थी और सब इसकी पहली झलक के सामने आने का इंतजार कर रहे थे. भूल भलैया 3, भूल भूलैया फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है. पहली फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में थे और विद्या बालन मंजूलिका के रूप में थी. वहीं दूसरी फिल्म में कार्तिक आर्यन रूह बाबा के रूप में लीड रोल में थे और उनके अलावा फिल्म में कियारा आडवाणी और तब्बू थीं. दोनों फिल्मों को दर्शकों का खूब प्यार मिला और अब तीसरी फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ मंजूलिका का आमना–सामना देखने को मिलेगा.दिवाली पर भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन के बीच टक्कर होने वाली है, दोनों ही फिल्में दिवाली पर धमाकेदार ओपनिंग की उम्मीद कर रही हैं और अपनी रिलीज की तारीखों में बदलाव करने से इनकार कर रही हैं. भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी खास रोल में हैं.

हाउसफुल 5 की स्टारकास्ट की तस्वीरें वायरल, अक्षय कुमार के साथ कामेडी करेंगे ये स्टार्स

अक्षय कुमार ने अपनी अगली फिल्म हाउसफुल 5 की शूटिंग शुरू कर दी है. पिछली बार अक्षय कुमार को कॉमेडी ड्रामा फिल्म खेल–खेल में में देखा गया था. अक्षय कुमार बीते कुछ सालों से बॉक्स ऑफिस पर फेल साबित हो रहे हैं. बीते दो सालों में रिलीज हुईं 8 से ज्यादा फिल्मों में से अक्षय कुमार की एक भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सक्सेस साबित नहीं हुई है. अब अक्षय कुमार अपनी कॉमेडी फ्रेंचाइजी हाउसफुल के 5वें पार्ट की तैयारियों में जुट गये हैं. फिल्म हाउसफुल की अब पूरी स्टारकास्ट सामने आ चुकी है. अक्षय कुमार और चंकी पांडे ने सेट से तस्वीरें शेयर की हैं.अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है, इस तस्वीर में अक्षय कुमार अपनी हाउसफुल टीम के साथ हैं. इन तस्वीर में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, दीनो मोरिया और जैकलीन फर्नांडिस दिख रही हैं. इस तस्वीर को शेयर कर अक्षय कुमार ने लिखा है, इनक्रिडेबल कास्ट के साथ एक और दिन, एक क्रूज और बतानें के कभी ना खत्म होने वाली कहानी. इस तस्वीर पर जैकलीन ने हार्ट इमोजी शेयर किया है.वहीं, इससे पहले चंकी पांडे ने फ्रांस से हाउसफुल 5 की स्टारकास्ट के साथ तस्वीरें शेयर की थीं. इन तस्वीरों में चंकी पांडे, नरगिस फाखरी, चित्रांग्दा सिंह, दीनो मोरिया दिख रहे हैं. इन तस्वीरों में चंकी पांडे ने अपनी सोलो तस्वीर भी शेयर की हैं. बता दें, साजिद नाडियाडवाला फिल्म हाउसफुल के प्रोड्यूसर हैं और तरुण मनसुखानी फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं. पहले फिल्म हाउसफुल 5 इस मौजूदा साल की दिवाली को रिलीज होनी थी, लेकिन अब फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज होगी.।

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक ने नाइट ड्रेस में कराया बोल्ड फोटोशूट, हाटनेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का पारा

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक अक्सर बोल्ड फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर के सोशल मीडिया का पारा गर्म कर देती हैं। उनकी हर एक तस्वीर इंटरनेट पर आते ही छा जाती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका सेक्सी अंदाज देखकर फैंस के पसीने छूट गए हैं।एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के बीच तबाही मचाती रहती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर पोस्ट की हैं।इन तस्वीरों में उनकी बलखाती हुई अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस फोटोज पर लाइक्स करते नहीं थकते हैं।नेहा मलिक ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाउट कलर का सैटिन थाई स्लिट नाइट ड्रेस पहना हुआ था, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही थीं। उनका इस लुक ने इंटरनेट पर बवाल मचा दिया है।

आयुष्मान खुराना का नया गाना जचदी हुआ रिलीज, ; तिक रोशन की बहन पश्मीना संग जमी जोड़ी

आयुष्मान खुराना उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिन्होंने इंडस्ट्री में अपनी मेहनत और अपने हुनर के दम पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। वह न सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक शानदार गायक भी हैं। अब आयुष्मान ने अपना नया गाना जचदी जारी कर दिया है, जिसे उनके प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं।इस गाने में आयुष्मान की जोड़ी पहली बार ऋतिक रोशन की बहन और अभिनेत्री पश्मीना रोशन के साथ बनी है।

आयुष्मान का नया गाना आपके नवरात्रि के त्योहार को और भी खास बना देगा। इस गाने में आयुष्मान और पश्मीना गरबा करते हुए नजर आ रहे हैं।दोनों की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आ रही है। इस गाने को खुद आयुष्मान ने अपनी आवाज दी है।इससे पहले आयुष्मान ने पानी दा रंग, साडी गली आजा, मिट्टी दी खुशबू, नज्म नज्म, और मेरे लिए तुम काफी हो जैसे शानदार गाने गाए हैं।आयुष्मान खुराना और पश्मीना रोशन के गरबा सॉन्ग जचदी का कलरफुल पोस्टर जारी हुआ था. एक्टर ने इसे साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, आ रहा हूं लेके जचदी इस नवरात्रि को और एलआईटी बनाएं जिसमें शानदार पश्मीना रोशन शामिल है, यह ट्रैक 27 सितंबर को रिलीज होगा. गाने को आवाज आयुष्मान ने दिया है. जबकि पश्मीना ने फचरिंग की हैं. बता दें पश्मीना, ऋतिक रोशन की कजिन हैं. उन्होंने इस साल की शुरुआत में निपुण धर्माधिकारी की फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड से डेब्यू किया था.

नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक अलग श्रेणी के अभिनेता हैं–रेजिना कैसंड्रा

रेजिना कैसांद्रा, क्राइम थ्रिलर सेक्शन 108 में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी, जिन्हें उन्होंने एक अलग श्रेणी का अभिनेता बताया।अभिनेत्री ने बताया कि कैसे प्रशंसित अभिनेता ने उनकी हिंदी बोलने की क्षमता सुधारने में उनकी मदद की।

रेजिना, जिन्होंने मुगीज, कॉन्ज्यूरिंग कन्नप्पन और एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा जैसी फिल्मों में काम किया है, ने बताया, नवाजुद्दीन सिद्दीकी निश्चित रूप से एक अलग श्रेणी के अभिनेता हैं और मुझे उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला है। वह बहुत विनम्र इंसान हैं, बहुत व्यावहारिक और बहुत केंद्रित हैं।उन्होंने बताया कि वह अक्सर हिंदी नहीं बोल पाती हैं और रसिख खान द्वारा निर्देशित सेक्शन 108 की शूटिंग के दौरान उन्होंने मदद के लिए नवाजुद्दीन की ओर रुख किया था।उन्होंने कहा, अगर मुझे कहना ही है और वास्तव में चूंकि मैं दक्षिण से आती हूं, तो मैं उतनी बार हिंदी नहीं बोल पाती जितनी मैं चाहती हूं और मैं इसका अभ्यास भी उतनी बार नहीं करती। हालांकि मैं भाषा जानती हूं, मैं पढ़ और लिख सकती हूं।अभिनेत्री ने याद करते हुए कहा, एक दिन जब हम अपने दृश्य कर रहे थे, तो मैंने उनकी ओर देखा और कहा, सर, क्या हम दृश्य का एक–दो बार अभ्यास कर सकते हैं, क्योंकि मुझे अपनी हिंदी बेहतर करनी है? तो उन्होंने मेरी ओर देखा और कहा, चिंता मत करो, मेरी अंग्रेजी इतनी अच्छी नहीं है, इसलिए हमें इन दृश्यों का अधिक से अधिक अभ्यास करना होगा।विभिन्न भाषाओं में काम करने के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहारू विभिन्न भाषाओं में काम करने की खूबसूरती, बस यह तथ्य कि आप जानते हैं, भावनाओं की कोई विशेष भाषा नहीं होती है, लेकिन सिर्फ यह तथ्य कि आपको इसे अलग तरीके से व्यक्त

फिल्म द सिग्नेचर का ट्रेलर रिलीज, बुढ़ापे की चुनौतियों से जंग लड़ते दिखे अनुपम खेर

दिग्ग्ज अभिनेता अनुपम खेर ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। उनकी आने वाली हर फिल्म की राह दर्शक बड़ी बेसब्री से देखते हैं।अनुपम की फिल्म द सिग्नेचर का भी दर्शकों को इंतजार है और यह इसलिए भी खास है, क्योंकि ये उनके करियर की 525वीं फिल्म है।अब उनकी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें अनुपम ने एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया है।जिंदगीभर तमाम जिम्मेदारियां निभाने के बाद बुढ़ापे में हर कोई आराम और सुकून की जिदंगी बिताना चाहता है, लेकिन असल में वृद्धावस्था की अपनी अलग चुनौतियां हैं।मां–बाप के बुढ़ापे में कैसे उसकी संतान का रवैया बदल जाता है, यही सब इस फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है। अनुपम एक बुजुर्ग पिता की भूमिका में हैं, जो वृद्धावस्था की चुनौतियों से लड़ते दिख रहे हैं।इस दिल छू लेने वाली कहानी का ट्रेलर काफी भावुक कर देने वाला है।

बेहद दर्दनाक होता है किसी को खो देना, पर बेहद खौफनाक होता है किसी को खो देने का डर, ट्रेलर की यह पंचलाइन किसी को भी भावुक कर दे।ट्रेलर देख एक यूजर ने लिखा, भाई ट्रेलर ने ऐसे रुला दिया। फिल्म देखकर क्या होगा। अनुपम सचमुच गजब के कलाकार हैं।दूसरे ने लिखा, सभी पुराने और शानदार कलाकारों को साथ देख दिन बन गया। वास्तव में जिंदगी की हकीकत यही है। अपना कोई नहीं है।फिल्म में अनु कपूर, नीना कुलकर्णी, रणवीर शौरी और महिमा चौधरी जैसे मंझे हुए कलाकार भी हैं। द सिग्नेचर का निर्देशन गजेंद्र अहिरे ने किया है। यह फिल्म जी5 पर 4 अक्टूबर को रिलीज हो रही है।अनुपम ने ट्रेलर साझा कर सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे करियर में कुछ फिल्में ऐसी हैं, जिन्होंने मेरे अंदर के कलाकार को चुनौती दी और साथ ही जीवन के कुछ पहलुओं का एहसास भी कराया। द सिग्नेचर की कहानी कुछ ऐसी ही है।अनुपम अपने निर्देशन में बन रही फिल्म तन्वी द ग्रेट को लेकर भी चर्चा में हैं। इसमें वह अभिनय भी करेंगे।2002

में आई वहीदा रहमान और अभिषेक बच्चन अभिनीत फिल्म ओम जय जगदीश के बाद यह उनके निर्देशन में बन रही दूसरी फिल्म है।अनुपम के मुताबिक, पिछले 3 साल से वह पूरे जुनून, साहस, मासूमियत और आनंद के साथ इसकी कहानी पर काम कर रहे थे। इस साल मार्च में उन्होंने इस फिल्म का ऐलान किया था।

बाक्स आफिस पर स्त्री 2 की दैनिक कमाई करोड़ों में जारी, अब देवरा से होगा मुकाबला, बना डाला ये नया रिकार्ड

ऐसा लग रहा है जैसे श्स्त्री 2च ने सिनेमाघरों में काला जादू किया हुआ है.जहां नई रिलीज फिल्मों को थिएटर में कोई पूछ नहीं रहा है तो वहीं एक महीने से ज्यादा हो जाने के बावजूद इस हॉरर कॉमेडी का क्रेज कम नहीं हो रहा है और रिलीज के छठे हफ्ते में भी फिल्म को देखन के लिए थिएटर्स में खूब दर्शक पहुंच रहे हैं. इसी के साथ ये फिल्म करोड़ों में कारोबार कर रही है. चलिए यहां जानते हैं स्त्री 2च ने रिलीज के 43वें दिन कितना कलेक्शन किया है?

ये श्स्त्री 2च क्या करेगी मानेगी भई.. इस फिल्म ने तो जैसे ठान लिया है कि ये रुकने नहीं वाली है. रिलीज के 40 दिन से ज्यादा हो गए हैं लेकिन मजाल है कि श्स्त्री 2च की रफ्तार बॉक्स ऑफिस पर थमी हो. ये फिल्म साल की सबसे बड़ी हिट तो बन ही चुकी है वहीं हिंदी सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म भी बन चुकी है. हैरानी की बात तो ये है कि छठे हफ्ते में होने के बावजूद ये हर दिन करोडों में ही कलेक्शन कर रही है. ट्रेड एक्सपर्ट की मानें तो इस फिल्म का क्रेज तब तक जारी रहेगा जब तक कि श्देवराच या श्जिगराच जैसी बड़ी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हो जाती.

वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो तरण आदर्श द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक श्स्त्री 2च ने पहले हफ्ते में 307. 80 करोड़ रुपये, दूसरे हफ्ते मे

145.80 करोड़ रुपये, तीसरे हफ्ते में 72.83 करोड़ रुपये, चौथे हफ्ते में 37.75 करोड़ रुपये और पांचवें हफ्ते में 25.72 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. वहीं छठे फ्राइडे फिल्म ने 5.20 करोड़, छठे शनिवार 3.80 करोड़, छठे रविवार 5.32 करोड़ छठे सोमवार 1.50 करोड़ छठे मंगलवार 1.35 करोड़ और छठे बुधवार 1.30 कारोबार किया. जिसके बाद फिल्म का 42 दिनों का कुल कलेक्शन 608.37 करोड़ रुपये हो गया. वहीं अब फिल्म की रिलीज के 43वें दिन यानी छठे गुरुवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्स्त्री 2च ने रिलीज के छठे गुरुवार यानी 43वें दिन 1.05 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ श्स्त्री 2च की 42 दिनों की कुल कमाई अब 609.42 करोड़ हो गई है.

श्स्त्री 2च ने रिलीज के पहले दिन से लेकर अब तक तमाम रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं. वहीं रिलीज के छठे गुरुवार भी इस फिल्म ने इतिहास रच दिया. दरअसल इस फिल्म ने 43वें दिन भी एक करोड़ से ज्यादा की कमाई की है और इसी के साथ ये हिंदी सिनेमा की ऐसी पहली फिल्म बन गई है जो 43 दिनों से लगातार करोड़ों में कारोबार कर रही है.श्स्त्री 2च को सिनेमाघरों में धमाल मचाते डेढ़ महीना होने वाला है.

इस बीच तमाम फिल्में आई और चली गईं लेकिन कोई भी श्स्त्री 2च के सिंहसान को नहीं हिला पाया. लेकिन अब 27 सितंबर को जूनियर एनटीआर की मच अवेटेड फिल्म श्देवराच सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है. इस फिल्म का काफी बज है और इसकी जबरदस्त एडवांस बुकिंग भी हुई है. इसे देखकर लग रहा है कि श्देवराच अब श्स्त्री 2च की कमाई पर ब्रेक लगा सकती है.

अदा शर्मा की फिल्म द केरल स्टोरी का आएगा सीक्वल, निर्देशक सुदीप्तो सेन ने लगाई मुहर

अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म द केरल स्टोरी को 5 मई, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और यह पिछले साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। इसके निर्देशन की कमान सुदीप्तो सेन ने संभाली है।

15 करोड़ रुपये की लागत में बनी द केरल स्टोरी ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 242.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।अब निर्देशक सुदीप्तो ने द केरल स्टोरी के सीक्वल पर मुहर लगा दी है।सुदीप्तो ने कहा, फिल्म द केरल स्टोरी का सीक्वल बन रहा है। फिल्म की कहानी लिखी जा रही है।इसके साथ उन्होंने बताया कि द केरल स्टोरी 2 की कहानी हेमा कमेटी पर आधारित नहीं होगी।उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि यह जानकारी कहां से सामने आई, लेकिन यह सच नहीं है। रिपोर्ट देखने के बाद मैं और विपुल शाह (फिल्म के निर्माता) हंस पड़े थे।

जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ होने वाले शोषण और उत्पीडन का खुलासा किया गया है, जिसमें कास्टिंग काउच और पुरुष प्रधान मानसिकता जैसी समस्याओं पर प्रकाश डाला गया है।

द केरल स्टोरी में अदा के अलावा योगिता बिहानी, सोनिया बलानी और सिद्धि इदनानी भी मुख्य भूमिका में नजर आई थीं।फिल्म की कहानी केरल की लड़कियों का धर्म परिवर्तन कर आतंकी संगठन में शामिल कराने पर आधारित थी।इसी वजह से फिल्म को लेकर विरोध हुआ और इस पर प्रतिबंध लगाने का मामला सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा, लेकिन कोर्ट में फिल्म के हक में फैसला सुनाया।द केरल स्टोरी को आप जी5 पर देख सकते हैं।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का किया गया आयोजन

ब्यूरो सिद्धार्थनगर –

सितम्बर से 2 अक्टूबर 24 तक सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम अंतर्गत जय किसान इंटर कालेज सकतपुर सनई में आत्म निर्भर भारत, वोकल फार लोकल तथा विकसित भारत विषय पर संवादध संभाषण, चित्रकला, एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजित किया गयाकार्यक्रम के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए सदर विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं का योगदान सराहनीय है हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं इस दौरान निबंध लेखन प्रतियोगिता में विक्रमादित्य प्रथम ,आदित्य मद्धेशिया द्वितीय एवं ताहिर अली तृतीय, संवाद ध्संम्भाषणकार्यक्रम में कुछ. सभ्या प्रथम , तरुण गुप्ता द्वितीय,आशीष तृतीय,

चित्रकला प्रतियोगिता में शिवानी प्रथम, खुशबू द्वितीय एवं मनीष यादव तृतीय स्थान प्राप्त किया सभी छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि श्यामध ानी राही ,व जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान ने सम्मानित कियाइस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान ने उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम अंतर्गत जनपद के विभिन्न विद्यालयों में इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें मुख्यरूप से आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत एवं वोकल फार लोकल विषय निर्धारित किया गया थासांसद प्रतिनिधि एस पी अग्रवाल ने प्रधानमंत्री के विजन को रेखांकित करते हुए कहा कि आज सरकार विकसित भारत की बात कर रही है प्रधानाचार्य जयराम यादव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सच्चिदानंद शुक्ल ने किया कार्यक्रम में प्रबंधक प्रतिनिधि बब्लू श्रीवास्तव, उप प्रधानाचार्य श्यामानंद श्रीवास्तव, नित्यानंद, शशिकला, सतीश कुमार सिंह,बाबूराम ,धीरचंद रावत महेंद्र चौधरी, उमेश गुप्ता आदि की उपस्थिति रही।

सरयू नहर पर बने बांध का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर –

जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर द्वारा तहसील शोहरतगढ़ के अन्तर्गत धनौरा मुस्तहकम में सरयू नहर खण्ड पर बने बांध का निरीक्षण किया गया।जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर द्वारा बंधे का निरीक्षण किया गया जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पानी बढ़कर बांध पर आता है तो उस पर सीमेन्ट की बोरी मेंभरकर कंक्रीट आदि डालने का निर्देश दिया इसके साथ ही हल्का लेखपाल को निर्देश दिया कि रात्रि में यही पर रहेंगे। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी शोहरतगढ चन्द्रभान सिंह व एवं अन्य संबधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

विभिन्न विभागों का मुख्य विकास अधिकारी ने किया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर –

मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा जिला ग्राम्य विकास अभिकरण कार्यालय, महात्मा गांधी नरेगा प्रकोष्ठ एवं ग्रामीण आजीविका मिशन प्रकोष्ठ का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, परियोजना निदेशक, डी0आर0डी0ए0 संदीप सिंह, उपायुक्त, श्रम–रोजगार ध्स्वतः रोजगार सहित अन्य अधिकारीध कर्मचारी उपस्थित रहे डी0आर0डी0ए0 कार्यालय की स्थिति सन्तोषजनक पायी गयी कार्यालय के स्टोर रूम में पुराने उपकरण एवं अभिलेख व्यवस्थित ढ़ंग से नही रखे गये है परियोजना निदेशक, डी0आर0डी0ए0 को निर्देशित किया गया कि स्टोर रूम में रखे पुराने उपकरण एवं अन्य सामग्री की नियमानुसार फीडिंग कराते हुए अभिलेखों का रख–रखाव सही ढ़ग से किया जाय। डी0आर0डी0ए0 भवन के स्थापित के भूतल पर स्थापित

आजीविका मिशन प्रकोष्ठ में डी0सी0 कक्ष के बगल कम्प्यूटर कक्ष एवं कार्यालय कक्ष में साफ–सफाई का अभाव पाया गया भवन में सीलन के कारण प्लास्टर एवं पेन्ट खराब हो गये है उपायुक्त, स्वतः रोजगार को निर्देशित किया गया कि आवश्यकतानुसार मरम्मत एवं रंगाइ–पुताई कराते हुए कार्याकक्ष को व्यवस्थित करें कार्यालय कक्ष में 02 डी0एम0एम0, 01 लेखा सहायक एवं 01 कम्प्यूटर आपरेटर उपस्थित पाये गये। डी0आर0डी0ए0 के प्रथम तल पर स्थापित महात्मा गांधी नरेगा प्रकोष्ठः–कार्यालय कक्ष में साफ–सफाई का अभाव पाया गया कार्यालय कक्ष अलमारी के ऊपर अभिलेख रखे गये है एवं अलमारियों की स्थिति खराब है। उपायुक्त को निर्देशित किया गया कि अलमारियों की मरम्मत अथवा आवश्यकतानुसार नई अलमारी का निर्माण कराते हुए अभिलेख को व्यवस्थित ढंग से रखा जाय निरीक्षण के दौरान जन सूचना पटल पर लम्बित प्रकरण की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिया गया स

बाढ़ को लेकर जिलाधिकारी ने विकास खंड बढ़नी अंतर्गत बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का किया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर –

जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर द्वारा तहसील शोहरतगढ़ के अन्तर्गत विकास खण्ड बढ़नी के टोला बालानगर (खैरी शीतल प्रसाद) का बाढ़ के दृष्टिगत निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने हल्का लेखपालो को निर्देश दिया कि बाढ़ से प्रभावित गांवों का सर्वे कर ले ग्रामो में बुजुर्ग, महिलाध्पुरूष, बीमार व्यक्तियों को चिन्हित कर ले इसके साथ ही बाढ़ प्रभावित गांव में ऐसी महिला जो गर्भवती है और उसकी डिलेवरी 15–20 दिनों के अन्दर होना है तो उसे पहले से ही चिन्हित कर सुरक्षित प्रसव करने हेतु सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दिया जाये जिससे उस परिवार के लोगो को कोई समस्या न होने पाये जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ को निर्देश दिया

कि दिया कि अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर बांधो का निरीक्षण करते है बाढ़ प्रभावित गांवों में लोगो को किसी भी प्रकार की समस्या न हो आवश्यकता पड़ने पर लंच पैकेट का वितरण कराये। नाव की व्यवस्था तत्काल कराने का निर्देश दिया जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि मेडिकल टीम गांवों में लोगो का जांच कर आवश्यक दवायें उपलब्ध कराये। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी चन्द्रभान सिंह, संबधित हल्का लेखपाल, एवं अन्य संबधित अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित थे।

इंटरनल ग्रेस ट्रस्ट ने गोद लिए 101 टीबी मरीजों को पुनः भेंट किया पोषण पोटली

मीरजापुर (आरएनएस)जनपद को टीबी मुक्त बनाने हेतु सरकारी स्तर से प्रचार प्रसार, टीबी रोगी खोजी अभियान जैसे अनेकों संभव प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। अब इस टीबी मुक्त अभियान रुपी कार्य में कई संवेदनशील सम्मानित लोग, समाजिक संस्थाएं, ट्रस्ट आदि भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लेना प्रारंभ कर दिए हैं। इसी क्रम में के इंटरनल ग्रेस ट्रस्ट द्वारा जनपद के सीटी ब्लाक सभागार में गोद लिए गए 101 टीबी मरीजों को पुनरू पोषण पोटली भेंट किया गया।उपरोक्त कार्यक्रम में क्षयरोग विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव द्वारा विगत मार्च 2024 से लगातार हर माह जनपद के टीबी मरीजों को पोषण पोटली भेंट कर रही संस्था इटरनल ग्रेस ट्रस्ट के सराहनीय सहयोग की प्रसंशा करते हुए कहा कि समाज के सम्मानित जन ऐसे ही मरीजों के हित में यदि आगे आते रहे तो निश्चित रूप से माननीय प्रधानमंत्री जी के 2025 तक भारत देश को टीबी मुक्त बनाने के सपने को पूरा होते देखा जा सकता है। सतीश यादव द्वारा उपस्थित जनो को टीबी के समस्त लक्षणों एवं सरकारी स्तर से दी जा रही विभिन्न सुविधाओं को विस्तार से बताते हुए लोगों से आग्रह किया कि आप सभी नियमित दवा का सेवन करते रहें जिससे कि आप सभी शिघ्र स्वस्थ हों, साथ ही यादव ने मरीजों को सुझाव भी दिया कि आप अन्य किसी भी व्यक्ति को यदि लक्षण प्रभावित पाते हैं तो उन्हें उनके नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र तक भेजने में मार्गदर्शक बनें एवं अपने इलाज के दौरान के साहसीय अनुभव से उन्हें भी साहस देने का सराहनीय कार्य करें, जिससे कि हमारा समाज इस रोग से 2025 तक अवश्य मुक्त स्थिति में आ सके। उपरोक्त कार्यक्रम में ब्लाक के सहायक विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान संतोष यादव, ओमप्रकाश के साथ–साथ ट्रस्ट के प्रबंधक विजय कुमार व संतोष कुमार के अलावा क्षय विभाग से पंकज सिंह, अवध बिहारी कुशवाहा, विनोद, मनभावन, नीरज, आकाश, अनुराग, धर्मेंद्र कुमार डीसी आदि मौजूद रहे।

भीमापार में जलभराव का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

जल निकासी को लेकर नगरपालिका को दिया निर्देश।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर –

जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर के जल जमाव के दृष्टिगत वार्ड नं0–10 विवेकानन्द नगर, भीमापार का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर द्वारा भीमापार का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर ने जल निकासी के लिए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर को निर्देश दिया कि अपनी पूरी टीम लगाकर जल निकासी, उपजिलाधिकारी नौगढ़ अपनी देख–रेख में कराये जिलाधिकारी ने निर्देश दिया जिन वार्डो में जल भराव है वहां पर नालियों की सफाई कराना सुनिश्चित करे। इस अवसर उपजिलाधिकारी नौगढ़

ललित कुमार मिश्र, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर विन्ध्याचल आदि उपस्थित थे।

शांति समिति की बैठक में महिलाओं के लिए विशेष सुरक्षा देने पर हुई चर्चा

लालगंज, मीरजापुर (आरएनएस)। रामलीला व दुर्गापूजा को लेकर शनिवार को थाना परिसर में शांति समिति की बैठक की गई। नवागत एसडीएम आशाराम वर्मा की अध्यक्षता एवंध सीओ अशोक सिंह की उपस्थिति में कई निर्णय लिये व निर्देश दिए गये। सदस्यों के बीच बिजली, स्वास्थ्य, साफ–सफाई, यातायात नियंत्रण, सीसीटीवी कैमरा, अग्नि सुरक्षा सहित महिलाओं के लिए विशेष सुरक्षा देने के बारे में चर्चा की गई। प्रशासन और सरकार की ओर से जारी गाइड लाइन अपनाने पर जोर दिया गया। दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष व सचिव, डीजे संचालक सहित दर्जनों शांति समिति के सदस्य व गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान थानाध्यक्ष संजय सिंह ने शांति पूर्वक व भक्ति भाव के साथ पूजा समारोह आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूजा समिति को इस बात का ख्याल रखना होगा कि पूजा स्थल पर पंडाल व भीड़भाड़ वाले स्थान पर श्रद्धालुओं के आने और जाने के लिए उचित व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने सरकार की ओर से जारी गाइड लाइन से अवगत कराते हुए कहा कि दुर्गा पूजा समिति को इसी गाइड लाइन के अनुसार दुर्गा पूजा समारोह आयोजित करना है। इस दौरान शांति समिति के सदस्यों की ओर से प्रशासन को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। थानाध यक्ष ने सभी मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने, प्रत्येक पूजा पंडाल में वोलेंटियर रखने के लिए थाना में सूची उपलब्ध कराने और नियमों व शर्तों का पालन करने को निर्देशित किया गया। थानाध यक्ष ने कहा कि डीजे पर सिर्फ ध ार्मिक भजन ही बजेगा। इस अवसर पर नीरज शर्मा, राम सागर केसरी, मनोज केसरी, दिलीप केसरी, अशोक सिंह, महेश केसरी, शुभम केसरी, विजय गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पुट्टी लादकर जा रहा ट्रक ब्रेक फेल होने से डिवाइडर से टकराया, चालक खलासी बाल बाल बचे

ड्रमंडगंज, मीरजापुर (आरएनएस)। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान पर शुक्रवार की रात वाल पुट्टी लादकर जा रहे ट्रक का ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में चालक खलासी बाल बाल बच गए। वहीं ट्रक पर लदे वाल पुट्टी की बोरियां घाटी में बिखर गई। मध्यप्रदेश के कटनी से वाल पुट्टी लादकर बिहार के गया जिला जा रहा ट्रक जैसे ही ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान के पास पहुंचा कि अचानक ब्रेक फेल हो गया ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराया। हादसे में ट्रक चालक रामनिवास यादव व खलासी सुजीत निवासी कोपागंज जिला मऊ बाल बाल बच गए। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज अरविंद सरोज ने घटना की जांच पड़ताल की। थानाध यक्ष अरविंद कुमार सरोज ने बताया कि मध्यप्रदेश से वाल पुट्टी लादकर बिहार जा रहे ट्रक का ड्रमंडगंज घाटी में नीचे उतरते समय ब्रेक फेल होने ट्रक डिवाइडर में टकरा गया। चालक खलासी सुरक्षित हैं।

गेट बन्द होने तथा अंदर पास में जल जमाव को लेकर डीआरएम को लिखा पत्र, पूर्व की भांति गेट संचालन की मांग

दुद्धी,सोनभद्र(आरएनएस)। दुद्धी नगर(क्छ)रेलवे स्टेशन तथा महुअरिया के बीच खजुरी स्थित गेट नं0 60 को बन्द करके बनाया गया अण्डर पास पुलिया से हो रही समस्याओं को लेकर अयूब अली ने रेल मंत्री सहित डीआरएम धनबाद मंडल को पत्र भेजकर पूर्व की भांति गेट संचालन की मांग उठायी हैं। मंडल रेल प्रबंध ाक धनबाद मंडल को भेजें पत्र में कहा हैं कि खजुरी अंडर पास पुलिया में बरसात में 3 से 4 फीट पानी जमा हो जाता है और पानी न रहने पर भी सिर्फ छोटी गाडियों का ही आवागमन हो पाता है। बड़ी गाड़ियों का आवागमन पूर्ण रूप से बाधित है। रेल विभाग के अधिकारियों द्वारा पुल के दिवार पर चेतावनी लिखा हुआ है कि काफी पानी जमा होने से गाड़ी पार न करें अन्यथा दुर्घटना हो सकती है एवं इसी में नियन्त्रण कक्ष चोपन मो० नं0 9794849682, नियंत्रण कक्ष धनबाद मो० नं0 9771445065 और व० अ० अभि० (कार्य) रेनुकूट मो० न० 9794848742 दर्शाया गया है। पूर्ण जानकारी के बाद भी रेल मंत्रालय द्वारा गेट नं० 60 को बन्द कर दिया गया है। गेट बन्द हो जाने से लगभग 20 गांव विकास से वंचित हैं और पुल के नीचे जलभराव होने से जगह जगह गड्ढ़ा हो गया है,जिससे स्कूली बच्चों का पैदल साईकिल व दोपहिया वाहनों से प्रतिदिन आना जाना खतरों से खाली नहीं है। इसी सड़क से होकर आगे अमवार कनहर बाँध बनकर तैयार है जिसके अन्तर्गत कई कल कारखाने प्रस्तावित है। दुद्धी–महुअरिया रेलवे स्टेशन के बीच दूसरी रेलवे लाईन का निरीक्षण करने आए मण्डल रेल प्रबन्धक को गेट खोलवाने सम्बन्धि ात लिखित पत्र देने के बाद भी सज्ञान नहीं लिया गया जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हैं। उन्होंने मांग की हैं कि उपरोक्त बातों को संज्ञान में लेते हुए गेट नं0 60 को चालू करने की कृपा करें जिससे आम जनमानस के आवागमन में कठिनाईयों का सामना न करना पड़े।

जिला स्तरीय उद्योग बन्धु व इन्वेस्टर समिट की सीडाओ ने की समीक्षा

सोनभद्र(आरएनएस)। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने कलेक्ट्रेट मीटिंग हाल में शनिवार को जिला स्तरीय उद्योग बन्धु व इन्वेस्टर समिट की बैठक की। उद्योग बन्धुओं से जुड़े मामलों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाये व व्यापारियोंध उद्यमियों के प्रति सहयोगात्मक रूख अपनाया जाये और उद्यमियों के लम्बित प्रकरणों का निस्तारण समय से किया जाये, अधि ाकाधिक रोजगार सृजित हों और उद्यमी भी सकून के साथ अपने उद्योग को संचालित कर आगे बढ़ें। बैठक में उन्होंने निवेश मित्र सिन्गल विंडो, श्रम विभाग से सम्बन्धित प्रकरण, स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन से सम्बन्धित प्रकरण, प्रदूषण नियंत्रण सम्बन्धी प्रकरण, विद्युत सुरक्षा, खाद सुरक्षा एवं दवा प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, उद्योग आधार मेमोरेण्डम, मुख्य मंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद–एक उत्पाद आदि की समीक्षा की और सम्बन्धितों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गयें। व्यापार मण्डल के पदाधि ाकारियों ने फ्लाईओवर से सड़क पर पानी गिरने, रेणुकूट–शक्तिनगर पर वाहनों का जाम लगना, सिटी हास्पिटल का निर्माण कराने व जिला अस्पताल से मरीजों को अन्यत्र स्थान पर रेफर करने का कारण, तेज आवाज में सांग बनाने आदि बिन्दुओं को उठाया गया, जिस पर सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल से मरीजों को रेफर करने किन कारणों से किया जाता है, के सम्बन्ध में पत्राचार किया जाये जिससे मरीजों के परिजनों को स्थिति भी स्पष्ट हो सके, और तेज आवाज में गाना न बजने पाये, इस पर भी नियंत्रण रखने के निर्देश सी0ओ0 सदर को दियें। उन्होंने कहा कि उद्योग बन्धुओं द्वारा उठाये गये समस्याओं का निस्तारण कराना सुनिश्चित किया जाये और उद्योग बन्धुओं का वाट्सअप ग्रुप बनाया जाये और विभागीय योजनाओं की जानकारी भी शेयर किया जाये। नगर से जुड़े समस्याओं से अवगत कराया गया, जिस पर सीडीओ ने मौके पर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उठाये गये समस्याओं का निस्तारण जल्द से जल्द कराना सुनिश्चित किया जाये।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।